हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–227 : जौनपुर, गुरुवार 16 दिसंबर 2021 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

योगी सरकार ने पेश किया करोड़ों का अनुपूरक बजट : किसानों व बुजुर्गों के लिए खोला खजाना

लखनऊ ब्यूरो : यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के पहले गुरुवार को 8 हजार 479 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट विधानसभा में पेश किया। बजट में किसानों व बुजुर्गों के लिए पेंशन सहित प्रदेश के कई हिस्सों को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने, खेल व काशी विश्वनाथ के लिए भी धन आवंटित किया गया है। अनुपूरक बजट में 24 घंटे बिजली की आपूर्ति के लिए पावर कॉरपोरेशन को 10 अरब रुपये, हर घर बिजली योजना के लिए अलग से 185 करोड़ रुपये, खेल विभाग को 10 करोड़ रुपये, काशी विश्वनाथ दर्शन के लिए 10 करोड़ रुपये, किसान और वृद्घावस्था पेंशन के लिए 670 करोड़ रुपये, सूचना विभाग के लिए 150 करोड़ रुपये और यूपी गौरव सम्मान के लिए 10 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस दौरान प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2021–22 का दूसरा अनुपूरक बजट और वर्ष 2022–23 के एक भाग के लिए लेखानुदान प्रस्तुत किया। वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने अपने भाषण में कहा कि 2022–2023 में 5,44,836.56 करोड़ रुपये की प्राप्तियां होंगी, जिसमें 4,53,097.56 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्तियां, 91,739 करोड़ रुपये की पूंजी लेखे की प्राप्तियां, जिसमें 89,174 करोड़ रुपये की लोक ऋणों से प्राप्तियां और 2,565 करोड़ रुपये की ऋणों और अग्रिमों की वसूली से होने वाली प्राप्तियां सम्मिलित हैं। राजस्व प्राप्तियों की 4,53,097.56 करोड़ रुपये की राशि में राज्य के अपने कर राजस्व से 2,08,655 करोड़ रुपये, केंद्रीय करों से राज्यांश से 1,26,383.61 करोड़ रुपये, करेतर राजस्व से 23,406.48 करोड़ रुपये तथा केंद्रीय योजनाओं के लिए भारत सरकार से सहायता अनुदान के रूप में 94,652.47 करोड़ रुपये के अनुमान सम्मिलित हैं। लोक ऋणों से 89,174 करोड़ रुपये की अनुमानित प्राप्तियों के अंतर्गत भारत सरकार से 2500 करोड़ रुपये तथा अन्य स्रोतों से 86,674 करोड़ रुपये के ऋण के अनुमान सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि अंतरिम बजट में कुल 5,45,370.69 करोड़ रुपये का व्यय अनुमानित है जिसमें 4,15,198.95 करोड़ रुपये का व्यय राजस्व लेखे तथा 1,30,174.74 करोड़ रुपये का

व्यय पूंजी लेखे के लिए है। वित्त मंत्री ने उत्तर प्रदेश मोटरयान कराधान (संशोधन) अध्यादेश 2021 (उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या 9 सन 2021 को सदन के पटल पर रखा।), उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश 2021 (उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या 8 सन 2021) अधिवक्ता कल्याण निधि (संशोधन) अध्यादेश 2021 (उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या 10 सन 2021) को सदन के पटल पर रखा। विधानमंडल सत्र के पहले दिन बुधवार को दोनों सदनों में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व विधानसभा सदस्य सुखदेव राजभर, सीडीएस बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत तथा उनके साथ हादसे में शहीद 12 अन्य सैन्य अधिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इनके अलावा पिछले सत्र के बाद से अब तक दिवंगत हुए पूर्व सदस्यों को भी सदन ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सदन की कार्यवाही बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने सुखदेव राजभर, सीडीएस बिपिन रावत व अन्य सैन्य अधिकारियों के निधन की सूचना दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुखदेव राजभर एक संवेदनशील और जनता प्रति समर्पित जनप्रतिनिधि थे। वह बेहद सरल और शालीन थे इसलिए जनता में बेहद लोकप्रिय थे। उनकी कर्मठता की मिसाल दी जाती रही है। उन्होंने अपने दीर्घकालीन राजनीतिक जीवन में कई उल्लेखनीय काम किए हैं। तमिलनाडु के कुन्नूर में हेलीकॉप्टर हादसे में शहीद हुए देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी और अन्य 12 सैन्य अधिकारियों को श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह देश के लिए बड़ी क्षति है। जनरल रावत को सटीक और साहसिक फैसले लेने के हमेशा याद किया जाएगा।

बीस चोरी की बाइक व अन्य असलहो के साथ आठ अभियुक्तों के गिरफ्तार करने का एसएसपी ने किया दावा

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने आधा दर्जन से अधिक अभियुक्तों को गिरफ्तार करने का दावा आज पत्रकार वार्ता के दौरान किया।उन्होने बताया कि इस समय हमेशा की जिले को अपराध मुक्त रखने के लिये एक अभियान चलाया जा रहा है।उन्होने बताया कि इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण मे अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण एंव वान्छित अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना रौनाही, थाना कोतवाली नगर, स्वाट टीम जनपद अयोध्या की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर कि सूचना पर चेकिंग के समय सड़क पुलिया बहद ग्राम कोला थाना रौनाही जनपद अयोध्या से चोरी की 20 मोटरसाइकिलों के साथ 08 अभियुक्तों को गिरफ्तार करने का दावा किया।जिसमे बबलू उर्फ संदीप पुत्र टीडी निवासी सनेथू थाना पूराकलन्दर जनपद अयोध्या के कब्जे से एक अदद अवैध देशी तमंचा 12 बोर मय 02 अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर, रोहित शर्मा पुत्र परशुराम शर्मा निवासी सिरसिंडा थाना अयोध्या जनपद अयोध्या के कब्जे से एक अदद अवैध चाकू छुरीनुमा, रवी कुमार हेला पुत्र लालता प्रसाद निवासी ग्राम सनेथू थाना पूराकलन्दर के कब्जे एक अदद नाजायज चाकू ,विपिन रावत पुत्र जुग्गीलाल रावत निवासी ग्राम सनेथू थाना पूराकलन्दर जनपद अयोध्या उम्र करीब 26 वर्ष, निखिल रावत पुत्र स्व छोटेलाल निवासी बिहारीपुर थाना पूराकलन्दर जनपद अयोध्या,गौतम पुत्र महावीर प्रसाद रावत निवासी संजयगंज थाना रौनाही जनपद अयोध्या, करन कुमार रावत पुत्र स्व0 छोटेलाल निवासी ग्राम बिहारीपुर थाना पूराकलन्दर जनपद अयोध्या और श्रवण यादव पुत्र स्व0 मंशाराम निवासी मोफिया लाला का पुरवा सनेथू थाना पूराकलन्दर जनपद अयोध्या उम्र करीब 23 वर्ष को समय 05.30 बजे गिरफ्तार किया गया।उन्होने बताया कि सभी

अभियुक्तों को न्यायालय भेजा दिया गया।उन्होने बताया कि गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली टीम में शमशेर बहादुर सिह प्रभारी निरीक्षक थाना रौनाही जनपद अयोध्या,उ0नि0 अमित कुमार थाना रौनाही जनपद अयोध्या,उ0नि0 अश्वनी प्रताप सिह थाना रौनाही जनपद अयोध्या,उ0नि0 श्री राजेश कुमार यादव चौकी प्रभारी फतेहगंज थाना को0 नगर अयोध्या,हे0का0 इन्द्रेश यादव थाना रौनाही जनपद अयोध्या,हे0का0 अनुज सिंह थाना रौनाही जनपद अयोध्या, हे0का0 अजय सिंह स्वाट टीम जनपद अयोध्या,का0 रामप्रवेश यादव थाना रौनाही जनपद अयोध्या,का0 सुनील थाना रौनाही जनपद अयोध्या,का0 सत्य प्रकाश थाना रौनाही जनपद अयोध्या,का0 श्याम सुन्दर थाना रौनाही जनपद अयोध्या,का0 अतुल तोमर थाना रौनाही जनपद अयोध्या,का0 शिवशंकर वर्मा थाना को0 नगर जनपद अयोध्या,का0 ज्ञान प्रकाश यादव को0 नगर जनपद अयोध्या,का0 अजीत गुप्ता स्वाट टीम जनपद अयोध्या,का0 शिवम यादव स्वाट टीम जनपद अयोध्या,का0 विनय राय स्वाट टीम जनपद अयोध्या,का0 चन्द्रभान यादव सर्विलांस टीम जनपद अयोध्या .का0 सौरभ सिंह सर्विलांस टीम जनपद अयोध्या शामिल रहे।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dkulive चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

पुलिस ने अवैध शराब फैक्ट्री का किया भंडाफोड़ : एक गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : पुलिस ने अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए 216 लीटर अवैध अपमिश्रित शराब के साथ एक अभियुक्त को मौके पर गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी सदानंद राय पुलिस बल के साथ बीते बुधवार की शाम को ग्राम सरोखनपुर में वांछित अभियुक्त के तलाश में पुलिस बल के साथ मौजूद थे। जहां पर उनकी मुलाकात आबकारी निरीक्षक इंद्रजीत कुमार मय फोर्स के साथ अपराधा व अपराधियों के संबंध में बातचीत कर ही रहे थे कि उसी समय मुखबिर की सूचना मिली की ग्राम धौराहरा में मिलावटी शराब की फैक्ट्री चल रही है जहां पर शराब बनाकर पैकिंग कर बेचने का काम किया जा रहा है। सूचना पाते ही थाना प्रभारी सदानंद राय ने थाने पर तत्काल उप निरीक्षक दिनेश कुमार को टीम गठित कर मौके पर पहुंचने की सूचना दी। थाना प्रभारी सदानंद राय ने पुलिस बल के साथ मुखबिर को लेकर पहुंच गए मुखबिर की निशान देही पर धौराहरा में स्थित ट्यूबेल को चारों तरफ से घेराबंदी करते हुए जैसे ही नजदीक पहुंचे तो एक व्यक्ति पुलिस देखते ही भागना चाहा मौके पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ के बाद उसने अपना नाम चंद्रशेखर पटेल उर्फ सिकंदर पटेल गांव धौरहरा बताया। अभियुक्त की निशानदेही पर चेक किया गया तो कमरे के अंदर दो नीले रंग का प्लास्टिक का ड्रम, दो प्लास्टिक गलियों में 216 लीटर अप मिश्रित अवैध शराब, एक किलोग्राम यूरिया, 20 ग्राम नौसादर, एक अदद सिलेंडर रेगुलेटर प्राइप सहित चूल्हा, 80 अदद 200उस प्लास्टिक की सीसी बिना रैपर व शराब बनाने का उपकरण बरामद हुआ।कमरे के अंदर रखा 300 किलोग्राम लहन को बाहर लाकर नष्ट किया गया। थाना प्रभारी सदानंद राय ने अभियुक्त चंद्रशेखर पटेल उर्फ सिकंदर पटेल के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत जेल भेज दिया गया है।गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना प्रभारी सतनाम राय, आबकारी निरीक्षक इंद्रजीत कुमार, उप निरीक्षक दिनेश कुमार, हेड कांस्टेबल विनोद सिंह, कांस्टेबल ओम प्रकाश मिश्रा, गया प्रसाद पटेल, अभिमन्यु यादव, चालक मनोज चौबे, रवि प्रकाश यादव, अभिषेक पाठक, पंकज यादव, सुनील कुमार, हेड कांस्टेबल संजय कुमार तिवारी व धीरेंद्र कुमार रहे।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. नीतीश सिंह के नेतृत्व में बेसिक स्कूल के शिक्षकों ने खण्ड शिक्षाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर डीकेयू ब्यूरो : अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ और उत्तर प्रदेशीय शिक्षक संघ के संयुक्त आह्वान पर प्राथमिक शिक्षक संघ की करंजा कला इकाई ने बेसिक शिक्षकों की बहु प्रतीक्षित मांगो से सम्बंधित ज्ञापन वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीतिश सिंह के नेतृत्व में करंजाकला के खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार को सौंपा।मुख्यमंत्री को सम्बोधित इस ज्ञापन में मुख्य रूप से पुरानी पेंशन बहाली, पदोन्नति, कैशलैस इलाज जैसी बहु

प्रतीक्षित मांगों को अतिशीघ्र पूरा करने की मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने के पश्चात वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीतिश सिंह ने कहा कि हम अपने वाजिब मांगों को पूरा होने तक अपना संघर्ष जारी रखेंगे।यदि सरकार इन मांगों को लागू करने में अनावश्यक हिला हवाली करती है तो बेसिक शिक्षक हर स्तर पर सरकार के कार्यों का विरोध करे गे। इस अवसर पर मंत्री चन्द्र प्रकाश,उपाध्यक्ष– मो०इमरान अली ,वीरेंद्र यादव ,प्रदीप सिंह,,नीतू सिंह,साधना,उषा रानी,उर्मिला देवी,कुसुम देवी,नागिना देवी,रोशन आरा,संजीव अस्थाना,प्रदीप सिंह,शिव प्रकाश,मनोज कुमार,अजीत सिंह,देवेंद्र,नीलेश उपाध्याय, आलोक त्रिपाठी,राजेश यादव,धर्मेंद्र मौर्या लक्ष्मीकांत,अभिषेक, लक्ष्मण पाठक, आदि शिक्षक भाई व शिक्षिका बहने मौजूद रहे।

प्रदेश में लगातार बढ़ रही है कोविड संक्रमण की दर : केजीएमयू के डॉ. बोले– अगले 10 दिन संवेदनशील

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश में एक बार फिर कोविड संक्रमण की दर बढ़ने लगी है। चार दिन में यह 0.008 से बढ़कर 0.013 पर पहुंच गई है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि अगले 10 दिन संवेदनशील हैं। ऐसे में सभी को मास्क और सोशल डिस्टेसिंग का पालन करना चाहिए। देश के अलग–अलग हिस्से में कोविड के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के मिलने के बाद सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। जांच का दायरा बढ़ाने का भी निर्देश है। हालांकि अभी भी औततन एक लाख 60 हजार सैंपल की जांच की जा रही है। इसमें पॉजिटिव मरीजों के मिलने का सिलसिला जारी है। दिसंबर माह में कोविड मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। 30 नवंबर को प्रदेश में 89 एक्टिव केस थे, जो चार दिसंबर को बढ़कर 116 पर पहुंच गए। इसके बाद लगातार एक्टिव केस बढ़ रहे हैं। 14 दिसंबर को इनकी संख्या 151 पर पहुंच गई है। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. वेदब्रत ने बताया कि प्रदेश में ओमिक्रॉन का कोई केस नहीं मिला है। लेकिन, पिछले दिनों जीनोम सिक्वेंसिंग में डेल्टा वैरिएंट

मिला है। इसलिए हर व्यक्ति को सावधानी बरतने की जरूरत है। सभी सीएमओ को निर्देश दिया गया है कि अगले 10 दिन तक सतर्कता बढ़ा दी जाए। केजीएमयू के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. डी हिमांशु का कहना है कि कोविड के लिहाज से 10 दिन संवेदनशील हो सकते हैं। क्योंकि दिसंबर माह के पहले सप्ताह से यह संख्या बढ़ती नजर आ रही है। ऐसे में कोविड की चेन तोड़ने के लिए 10 दिन खासतौर से सावधानी बरती जानी चाहिए। हर व्यक्ति मास्क का प्रयोग करे। सोशल डिस्टेसिंग अपनाएं और हैंड वाश करता रहे तो कोविड की चेन टूट जाएगी।

तेजस एक्सप्रेस के पटरी पर आते ही डिरेल हो गई डबल डेकर एक्सप्रेस : ढाई साल से बेकार खड़ी है ट्रेन

लखनऊ ब्यूरो : तेजस एक्सप्रेस के उतरते ही डबलडेकर की बदहाली की कहानी शुरू हो गई। डबलडेकर न तो लखनऊ से जयपुर के लिए चल पाई, न ही सीतापुर रूट के रास्ते दौड़ाने की फाइलों में तेजी आई। डबलडेकर का रैक पहले ऐशबाग कोचिंग डिपो में खड़ा था, जिसे वहां से शिफ्ट कर डालीगंज स्टेशन पर खड़ा करवा दिया गया है। ढाई साल बाद भी डबलडेकर पटरी पर नहीं लौट सकी है। हालांकि, रेलवे अधिकारी बोर्ड की अनुमति के इंतजार में हैं। गाड़ी संख्या 12583ध84 लखनऊ जंक्शन आनंदविहार डबलडेकर एक्सप्रेस पूर्वोत्तर रेलवे की वीआईपी ट्रेनों में शुमार थी। यह हफ्ते में दो दिन शुक्रवार व रविवार को सुबह पांच बजे के आसपास रवाना होती थी। शुरुआती दौर में इस एसी चेयरकार ट्रेन को यात्रियों को खासा रिस्पॉन्स मिला। लेकिन करीब ढाई साल से ट्रेन खड़ी है और यात्री तेजस व शताब्दी के महंगे टिकट पर सफर करने को मजबूर हैं। डबलडेकर का कद बढ़ाने के लिए रेलवे अधिकारियों ने एक योजना बनाई। इसके तहत लखनऊ से आनंदविहार व सरायरोहिला से जयपुर के बीच चलने वाली डबलडेकरों को मिलाकर एक ट्रेन किया जाना था। लखनऊ से जयपुर के बीच चलने वाली इस डबलडेकर का ट्रायल भी हुआ। समयसारिणी भी तैयार हो गई, लेकिन अप्रत्याशित कारणों से इसमें अड़ंगा लग गया और ट्रेन नहीं चल सकी। इसके बाद रेलवे अधिकारियों ने डबलडेकर को सीतापुर के रास्ते दिल्ली के लिए चलाने का खाका तैयार किया। मंथन भी हुआ। लेकिन बात फाइलों से आगे नहीं निकल सकी। डबलडेकर चली तो तेजस को नहीं मिलेंगे यात्री। दैनिक यात्री एसोसिएशन के अध्यक्ष एसएस उप्पल ने बताया कि लखनऊ से दिल्ली के बीच गोमती एक्सप्रेस, तेजस एक्सप्रेस व शताब्दी एक्सप्रेस चेयरकार ट्रेनें हैं। डबलडेकर भी एसी चेयरकार है। ऐसे में तेजस एक्सप्रेस की सफलता ही अन्य चेयरकार ट्रेनों की विफलता पर निर्भर है। कैटरिंग बेतहाशा महंगी कर शताब्दी को फ्लॉप करने पर अधिकारी तुले हैं। फिर तेजस के फेल होने से निजी ट्रेनों के चलाने में भी अड़ंगे लगेंगे। चूंकि डबलडेकर की टाइमिंग सुबह पांच बजे की है, जबकि तेजस छह बजे चलती है। ऐसे में अगर डबलडेकर चला दी गई तो तेजस को यात्री नहीं मिलेंगे।

राष्ट्रपिता पर अभद्र टिप्पणी किए जाने को लेकर कांग्रेस ने दी तहरीर

लखनऊ ब्यूरो : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर कथित तौर पर अभद्र टिप्पणी किए जाने के मामले को लेकर युवक कांग्रेस नगर पालिका अध्यक्ष के पति के खिलाफ मैदान में उतर पड़ी है। युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने अभद्र टिप्पणी के मामले में चेयरमैन पति के खिलाफ केस दर्ज कराने के लिए नगर कोतवाली में तहरीर दी है। युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष वरुण मिश्र ने आरोप लगाया कि विदेशों तक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का सम्मान किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता व नगर पालिका चेयरमैन के पति अजय जायसवाल मर्यादा की सीमाएं लांघ चुके हैं। चेयरमैन के पति ने राष्ट्रपिता पर अभद्र टिप्पणी की है। उन्होंने भाजपा नेताओं पर दोहरे चरित्र का आरोप लगाया है। कहा कि चेयरमैन के पति अक्सर अभद्र टिप्पणियों को लेकर चर्चा में रहते हैं। युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष भाजपा से चेयरमैन पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए नगर कोतवाली में उनके खिलाफ केस दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है। इस मौके पर युवक कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष मोहित तिवारी, आलोक चतुर्वेदी, विवेक ओझा, आशुतोष मिश्र, शहबाज अहमद आदि मौजूद रहे।

तान्या डवलपर्स का डायरेक्टर गिरफ्तार : जमीन दिलाने के नाम पर ठगे थे 2.84 करोड़ रुपये

लखनऊ ब्यूरो : गोमतीनगर पुलिस ने रियल एस्टेट कंपनी तान्या डवलपर्स एंड कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. के डायरेक्टर धर्मेंद्र कुमार वर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर जमीन दिलाने के नाम पर एक कारोबारी से 2.84 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप है। एक साल पहले दर्ज हुए इस केस में उसकी गिरफ्तारी हुई है। एसीपी गोमतीनगर श्वेता श्रीवास्तव के मुताबिक, पुलिस टीम ने मंगलवार रात को सुल्तानपुर से जालसाज धर्मेंद्र कुमार वर्मा को गिरफ्तार किया है। वह तान्या डवलपर्स के नाम से रियल एस्टेट कंपनी चलाता था। वह सुलतानपुर के जयसिंहपुर का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ विपुलखंड निवासी आशीष पटेल ने 6 सितंबर 2020 को मुकदमा दर्ज कराया था। अश्रिचा इंफ्रा के नाम से रियल एस्टेट कंपनी चलाने वाले आशीष को टाउनशिप विकसित कर रहे थे। इसके लिए आशीष ने कालिंदी पार्क निवासी धर्मेंद्र वर्मा से संपर्क किया। आशीष के मुताबिक, धर्मेंद्र ने किसान पथ, नगराम–निलमथा रोड, अमेठी, कर्मेमऊ, गंगागंज, पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे और अयोध्या में जमीने दिलाने का दावा किया था। आशीष ने जमीन के नाम पर 2.84 करोड़ की ठगी का आरोप धर्मे द्र पर लगाया था। प्रभारी निरीक्षक गोमतीनगर केशव कुमार तिवारी के मुताबिक, आरोपी धर्मेंद्र वर्मा को जेल भेज दिया गया है।

ट्रेन के चपेट में आने से महिला शिक्षा मित्र के शरीर के उड़ गए चिथड़े

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जौनपुर–औडिहार रेल प्रखंड पर गुरुवार को भोर में पांच बजे मुफ्तीगंज के हनुआडीह रेलवे अंडर पास के समीप एक्सप्रेस ट्रेन के चपेट में आने से 35 वर्षीया एक महिला शिक्षा मित्र की शरीर के चिथड़ उड़ गये। बताते हैं कि जौनपुर से भोर में पांच बजे कल्पनाथ चौहान निवासी हनुआडीह गांव की पत्नी विभा चौहान जो शिक्षा मित्र थी ,इटैली प्राथमिक विद्यालय में वह तैनात थी। भोर में वह अपनी पांच वर्षी भतीजी के साथ शौच करने खेत जाने के लिये रेलवे लाइन क्रास करने लगी तो उसी समय बांन्द्रा गाजीपुर एक्सप्रेस ट्रेन गाजीपुर जा रही थी कि वह चपेट में आ गयी । जिसके फलस्वरूप उसके शरीर के चिथड़े चिथड़े उड़कर दूर जा गिरे। सूचना मिलते ही गौराबादशाहपुर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही में जुट गयी।

फेसबुक की आईडी हैक कर : किया पैसे की मांग : जानकारी होने पर आनलाईन एफआईआर दर्ज

जौनपुर ब्यूरो : कोतवाली केराकत क्षेत्र अन्तर्गत बलुही निवासी राधेश्याम यादव नें देश की उपासना दैनिक समाचार पत्र के प्रतिनिधि को बताया कि उसकी फेसबुक आईडी को किसी के द्वारा हैक कर दूसरी आईडी उसी के नाम से बना लिया गया और फेसबुक पर मैसेंजर से जुडे हुए दोस्तों से पैसा मांगा जा रहा था। उक्त की जानकारी होनें पर मेरे द्वारा दिनांक 15/12/2021 को आनलाईन साइबर क्राईम अन्तर्गत एफआईआर दर्ज करा दिया गया है। बता दें कि आज कल इस तरह का आनलाईन अपराध आम हो गया है जिससे बढ़ते हुए अपराध के कारण पुलिस के लिए भी चुनौती बढ़ गई है, देखना यह है कि पुलिस द्वारा कब तक कार्यवाही की जाती है।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

जीवन मिट जाता है लेकिन चाहत नहीं मिटती, चाहत सबसे बड़ी भिखारी है–

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

अर्थव्यवस्था को और सहारा चाहिए

भारतीय अर्थव्यवस्था अब कोरोना की गिरफ्त से बाहर निकलती दिख रही है। पिछले दिनों आए आंकड़े वित्त मंत्रालय को खुश कर रहे हैं। पिछली तिमाही में जीडीपी की विकास दर में 8.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। अगली तिमाही की ओर उसकी नजरे हैं और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का कहना है कि भारत की विकास दर 2021–22 में बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो जाएगी। यह काफी आशाजनक तस्वीर है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं और एजेंसियां ऐसा नहीं सोच रही हैं। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की विकास दर के आंकड़ों के अनुमान में थोड़ी कटौती की है। उसका कहना है कि भारत की विकास दर 8.7 प्रतिशत के बजाय 8.4 प्रतिशत होगी। लेकिन जो सबसे महत्वपूर्ण बयान आया, वह था नोबल विजेता अभिजीत बनर्जी का। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अभी गहरी खाई में है और लोगों की अपेक्षाएं काफी घट चुकी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अर्थव्यवस्था अब भी 2019 के स्तर से काफी नीचे है। अभिजीत बनर्जी के इस बयान से कोई हंगामा या विवाद नहीं खड़ा हुआ, क्योंकि उन्होंने इस परिस्थिति के लिए किसी को भी जिम्मेदार नहीं ठहराया। वजह साफ है कि कोरोना काल ने भारत की अर्थव्यवस्था को भारी चोट पहुंचाई और उसे ऐसे मुकाम पर ला खड़ा किया, जहां सरकार को भी समझ में नहीं आ रहा था कि इसका इलाज क्या है। इस दौरान लाखों उद्योग बंद हो गए, छोटे कारोबारी सड़क पर आ गए और कई सेक्टरों में तो ताला लग गया, जिसका बहुत बुरा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ा। करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए और लोगों की क्रय क्षमता काफी कम हो गई। यहीं पर ही पेच फंस गया। यह ध्यान देने वाली बात है कि भारतीय अर्थव्यवस्था उपभोग पर आधारित है और इसके पहिये देश में सामान की खपत से ही घूमते हैं। ऐसी विकट आर्थिक स्थिति में उपभोग का कम होना तार्किक है। यह तो खैर मनाइए कि हमारा कृषि क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों में मजबूत हुआ है और उसने खाद्यान्नों की किल्लत नहीं होने दी। सरकार भी उसी की ताकत पर 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांटती रही।

भारत के गांव फिर एक बार अपने लोगों की मदद को आगे आए। लेकिन अब लाख टके का सवाल है कि अर्थव्यवस्था के विकास की गति को पंख कैसे दिया जाए? इसके लिए सबसे जरूरी है कि अर्थव्यवस्था में ज्यादा से ज्यादा पैसे डाले जाएं। सरकार अपनी स्कीमों से ऐसा कर सकती है। साथ ही छोटे उद्यमियों, कारोबारियों और व्यवसायियों की बकाया राशि का भुगतान करने के अलावा उन्हें प्रोत्साहन भी दे। दूसरा बड़ा कदम यह हो सकता है कि केंद्र में ही नहीं, राज्यों में भी बड़े पैमाने पर रिक्त पड़े पदों को तुरंत भरा जाए। सरकार को उद्योगों और कारोबारियों को भी इस बात के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए कि वे उन लोगों को वापस लें, जिन्हें उन्होंने कोरोना काल में बाहर कर दिया था। सरकार को और नई परियोजनाएं शुरू करनी चाहिए। हालांकि इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में वह काफी खर्च कर रही है, फिर भी वह शिक्षा या स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में बड़ा खर्च करेगी, तो भी पैसा सिस्टम में आएगा।

समस्या है कि राज्य सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हैं और उनकी ओर से कोई बड़ा कदम नहीं उठ रहा है। जिन राज्यों में चुनाव हैं, वहां तो यह हो रहा है, लेकिन बाकियों में कुछ नहीं हो रहा है। सरकारों को वोट की राजनीति से हटकर आगे के बारे में भी सोचना होगा। लेकिन एक समस्या जो अब साफ दिख रही है, वह है देश में धन का असमान वितरण। ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश में इतनी विषमता आ गई है कि शीर्ष 10 प्रतिशत लोगों के पास देश का 57 प्रतिशत धन है। इसके समान वितरण के लिए सरकार को सोचना पड़ेगा। भारत का मध्य वर्ग, जिसकी ओर सभी देशों की कंपनियों की निगाहें रहती हैं, कोराना काल में बुरी तरह जख्मी हुआ है और उनकी क्रय शक्ति में काफी कमी हुई। यही वह वर्ग है, जिसने अपनी जबर्दस्त खरीदारी से अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है। उसका इस तरह से नीचे जाना देश के लिए शुभ संकेत नहीं है।

आर्थिक विषमताः कैसे खत्म होगी असमानता

आजादी के 75 वर्ष बाद भी हमारे देश में अमीर और गरीब के बीच आर्थिक असमानता की खाई लगातार बढ़ती जा रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में आर्थिक विषमता एक बहुत बड़ी बाधा है। कोरोना महामारी से प्रभावित पिछले वर्ष के आर्थिक आंकड़े इस चिंता को और बढ़ा रहे हैं। वर्ष 2020–21 में एक तरफ जहां भारत में करीब 7.5 करोड़ गरीबों की संख्या बढ़ी है, वहीं दूसरी तरफ अरबपतियों की संख्या में 37 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। यह आंकड़ा भयभीत करता है।

इसका कारण संभवतः यह है कि समग्र समाज का आर्थिक विकास आर्थिक एजेंडे की प्राथमिकता में नहीं होता है। अन्यथा अब तक गरीबी का उन्मूलन हो जाना चाहिए था। लेकिन वास्तविकता यह है कि समाज के मात्र चंद व्यक्तियों के पास आर्थिक संपदा का संग्रहण होता जा रहा है। भारत का अपनी जनसंख्या से ज्यादा वैश्विक गरीबी में अंशदान है। यह विश्व की करीब 17 प्रतिशत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है, पर विश्व की कुल गरीबी में भारत का अंशदान 20 प्रतिशत है। आर्थिक असमानता को खत्म करने के लिए अब आम आदमी को भी पहल करनी होगी। सरकारों व उनकी आर्थिक नीतियों पर निर्भरता घटानी होगी।

आम लोगों को अपने आर्थिक स्तर को लगातार बढ़ाना होगा। सामान्यतः पाया जाता है कि आम भारतीय अपने व्यक्तिगत आर्थिक विकास के लिए मात्र रोजगार को ही प्राथमिकता देना चाहता है। इस सपने के लिए वह अपनी तमाम योग्यताओं को बढ़ाने का प्रयास करता है। लेकिन विशाल जनसंख्या का हिस्सा होने के कारण जब वह अपने इस सपने को साकार नहीं कर पाता, तो समझौता करके उपलब्ध रोजगार के माध्यम से ही जीवन चलाने लगता है। फिर अपनी योग्यताओं को बढ़ाना उसका लक्ष्य नहीं रहता। उसके आर्थिक विकास में भी गतिशीलता कम होने लग जाती है, जिसका परिणाम आर्थिक विषमता ही है। इसके विपरीत आम व्यक्ति को चाहिए कि वह अपनी योग्यताओं को लगातार बढ़ाए, जिससे उसकी आर्थिक क्षमता भी बढ़े।

हम अपने आसपास देखते हैं कि प्रत्येक परिवार में आर्थिक रूप से आश्रितों की संख्या आय कमाने वालों से अधिक होती है। अभी देश में करीब 65 करोड़ लोग ही किसी तरह के रोजगार या व्यवसाय में संलग्न हैं, जबकि बाकी उन पर आश्रित हैं, जिनमें घरेलू महिलाएं, बच्चे व वृद्ध व्यक्ति शामिल हैं। यह आंकड़ा भारतीय समाज में आर्थिक विषमता की कड़वी सच्चाई को स्पष्ट करता है। आज देश की महिलाओं को आगे बढ़कर अपने परिवार की आर्थिक जीवनचर्या में भागीदार बनना होगा, जो उनके व्यक्तिगत आर्थिक स्तर को तो बढ़ाएगा ही, आर्थिक विषमता में कमी भी लाएगा। महिलाओं के आर्थिक स्वालंबन को आर्थिक एजेंडे में प्राथमिकता के रूप में रखा जाना चाहिए।हम भारतीयों को अपनी इस सोच में भी परिवर्तन लाना होगा कि लगातार बढ़ती उपभोग क्षमता ही आर्थिक विकास का एक मुख्य सूचक है। यह सोच समाज में आर्थिक विषमता को जन्म दे रही है, क्योंकि इससे जहां एक तरफ लोगों की आर्थिक तरलता में कमी होती है, वहीं दूसरी तरफ इसका मुनाफा मात्र कुछ हाथों में ही एकत्रित हो रहा है। आम आदमी आर्थिक निवेश को प्राथमिकता दे, ताकि उसका जीवन आर्थिक रूप से सुरक्षित हो सके। भारतीय अर्थव्यवस्था में महंगाई तथा जटिल कर प्रणाली ने आम व्यक्ति पर एक ऐसा जाल बिछाया है, जिससे वह तमाम प्रयासों के बावजूद बाहर नहीं आ पाता है। इस कारण वह अपने बच्चों को श्रेष्ठ शैक्षणिक सुविधा नहीं दे पाता, जो बेहतर आर्थिक रोजगार दिलाने की गारंटी रखता है। आईआईटी हो या आईआईएम, अथवा नामी–गिरामी शिक्षण संस्थान–इनकी पढ़ाई इतनी महंगी है कि आम लोगों की पहुंच से बाहर है। आर्थिक विषमता अर्थव्यवस्था में अवरोधक है, तो आम लोगों के लिए मानसिक प्रताड़ना भी है। सरकारों की आर्थिक नीतियों में निश्चित रूप से औद्योगिकीकरण को प्राथमिकता रहेगी, क्योंकि यह अर्थव्यवस्था की जरूरत है, परंतु आम आदमी को भी अपनी तरफ से पहल करनी होगी।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

अपर जिलाधिकारी की कोर्ट ने 22 खाद्य कारोबारियों पर लगाया लाखों का जुर्माना

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग की टीम लगातार जनपद में खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला हेतु जांच के लिए भेजा जाता है । नमूने फेल आने पर इनके खिलाफ अपर जिलाधिकारी नगर की कोर्ट में मुकदमा चलता है अपर जिलाधिकारी नगर की कोर्ट ने 22 खाद्य कारोबारियों के खिलाफ 780000 का जुर्माना लगाया गया है। अभिहित अधिकारी कुमार गुंजन ने बताया कि छेने की मिठाई मिश्रित दूध पनीर रिफाइंड आयल धनिया साबुत कुकीज चको चिप्स सिंघाड़ा का आटा समेत कई नमूने संग्रहित कर जांच के लिए भेजा गया जिसमें अधोमानक व मिथ्या छाप पाए जाने पर अपर जिलाधिकारी नगर की कोर्ट ने 22 खाद्य कारोबारियों के खिलाफ 780000 का जुर्माना लगाया गया है। कारोबारियों से अपील है कि वह अपने मुकदमे की पैरवी अपर जिलाधिकारी नगर की कोर्ट में करें अन्यथा उनके खिलाफ एक पक्षी कार्रवाई अपर जिलाधिकारी नगर की कोर्ट द्वारा किया जाएगा और अधिक से अधिक जुर्माना भी लग सकता है शासन का निर्देश है कि ऐसे कारोबारियों के खिलाफ अधिक से अधिक जुर्माना भी लगाया जाए।

थानों में पहली बार बन रहा ऐसा रजिस्टर जिसमें दर्ज होगी थाना क्षेत्र की हर गतिविधियां

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : विधानसभा चुनाव का बिगुल अभी बजा नहीं है लेकिन हर स्तर पर तैयारियां हो रही हैं। राजनीतिक दल जहां चुनाव प्रचार में जुट गए हैं वहीं पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी अपने तईं तैयारियां करा रहे हैं। इसी कड़ी में पहली बार पुलिस प्रत्येक थाने में ऐसा रजिस्टर बना रही है जिसमें चुनाव से सम्बंधित ए से जेड दर्ज रहेगा। तकरीबन 20 बिंदुओं को केंद्र में रखकर तैयार इस रजिस्टर को देखकर अफसर क्षेत्र की भौगोलिक और राजनैतिक स्थितियों की जानकारी कर लेंगे। चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराना पुलिस का संवैधानिक दायित्व है। पुलिस के अधिकारी इसे महसूस कर रहे हैं। यही वजह है कि आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर पुलिस अधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी नहीं चाहते हैं कि इस बार चुनाव में कहीं भी किसी प्रकार की कोई अराजकता पैदा होने पाए। यही वजह है कि पुलिस हर बिंदु पर ठोक–बजाकर काम कर रही है। पुलिस मुख्यालय से एक पत्र आने के बाद इन दिनों थानों पर एक विशेष रजिस्टर तैयार किया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन अखिल कुमार ने जोन के सभी जिला पुलिस प्रमुखों से थानों पर विशेष रजिस्टर तैयार कराने को कहा है। उनके निर्देश पर जोन के सभी थानों पर अमल शुरू हो गया है। थानों पर तैयार किए जा रहे विशेष रजिस्टर में विधान सभा क्षेत्र और चुनाव से सम्बंधित तकरीबन सभी जानकारियां दर्ज की जा रही है। थानों पर यह विशेष रजिस्टर उप निरीक्षक से ऊपर के अधिकारी द्वारा तैयार किया जा रहा है और थाना प्रभारी तथा क्षेत्राधिकारी उसका सत्यापन कर रहे हैं। विधानसभा क्षेत्र से सम्बंधित सूचनाएं हो रहीं दर्ज। थानों पर तैयार किए जा रहे विशेष रजिस्टर में सम्बंधित विधान सभा क्षेत्र का नाम और नम्बर, मतदान केंद्रों का नाम तथा मतदेय स्थलों की संख्या दर्ज की जा रही है। मतदान केंद्रों तक आने–जाने वाले मार्गों और बीच में पड़ने वालजे गांवों और मोहल्लों के नाम और वहां रहने वाले संभ्रांत नागरिकों के नाम दर्ज किए जा रहे हैं। मतदान केंद्रों के आस–पास रहने वाले विधायक–सांसद एवं अन्य जन प्रतिनिधियों के नाम भी दर्ज किए जा रहे हैं।पुलिस की गतिविधियां भी हो रही हैं दर्ज। पुलिस सूत्रों का कहना है कि विशेष रजिस्टर में गांवों में तैनात बीट आरक्षियों के नाम व मोबाइल नम्बर, हल्का प्रभारियों के नाम–नम्बर तथा पुलिस मित्रों, एस :10, डिजिटल वालेंटियर और पुलिस सहायकों के नाम और मोबाइल नम्बर दर्ज किए जा रहे हैं। सतर्कता के बिंदुओं को भी किया जा रहा दर्ज। थानों पर तैनात विशेष रजिस्टर में ऐसे स्थलों को दर्ज किया जा रहा है जहां से अपराधी क्षेत्र में प्रवेश करते हैं। जहां पुलिस पिकेट लगाई जाती है, यह सूचनाएं भी दर्ज की जा रही हैं। क्षेत्र में पड़ने वाले गांवों और मोहल्लो के अराजकतत्वों के नाम और मोबाइल नम्बर तथा उनके विरुद्ध की गई कार्रवाइयों को भी दर्ज किया जा रहा है। कौन–कौन हैं हिस्ट्रीशीटर और इनामी। रजिस्टर में यह भी दर्ज किया जा रहा है कि क्षेत्र में कौन–कौन से हिस्ट्रीशीटर और इनामी बदमाश हैं। कितने लोगों पर पाबंदी की कार्रवाई की गई है। क्षेत्र में कितने संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदान केंद्र हैं। कितने गन लाइसेंसी हैं और कितने ऐसे स्थल हैं जहां चुनावी सभाएं होती रही हैं।

गोला मे संपन्न हुआ श्रंद्धाजलि जनसभा कार्यक्रम

डीके यू –गोला ब्लाक रिपोर्टर –कृष्णा गोंड़ –महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जगेलु प्रसाद गोंड़ के 30 वीं पुरतिथी मनाया गया कार्यक्रम मनाया गया कार्यक्रम स्थल डडंवापार तिराहा गोला कौड़ीराम रोड ,गोरखपुर इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ मोहसिन खां पूर्व मंत्री पूर्व जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी ,डॉ चंद्रभान गोंड़ जिलाध्यक्ष गोंडवाना गणतंत्र पार्टी गोरखपुर,नगीना प्रसाद साहनी जिलाध्यक्ष सपा ,काजल निषाद , अवधेश यादव , पंकज गोंड़ ,डॉ साधु शरण गोंड़ , योगेश गोंड़ ,चंद्रबली यादव ,प्रहलाद यादव ,मिर्जा कदीर बेग, पंकज शाही ,आभितोष गिरी ,शशिकांत दुबे ,अखिलेश यादव ,विजय कुमार यादव , गिरधारी लाल स्वर्णकार ,अध्यक्षता –रामअजोर मौर्य ,संचालक –सीताराम गोंड़ ,निवेदक

– रामलखन गोंड़ पौत्र–स्व. जगेलु प्रसाद गोंड़ पूर्व जिला सचिव सपा गोरखपुर आदि लोग उपस्थित रहे।

अनियंत्रित कार नहर में गिरी : डूबने से मिर्जापुर निवासी तीन सगे भाइयों समेत चार की मौत

मिर्जापुर ब्यूरो : यूपी के चंदौली जिले के बबुरी थाना क्षेत्र में बुधवार रात हुए सड़क हादसे में चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। इन चार युवकों में से तीन सगे भाई थे। भुड़कुड़ा गांव के समीप बुधवार की देर रात सड़क पर जा रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। डूबने से कार में सवार मिर्जापुर के चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। बबुरी थाने की पुलिस बुधवार को रात्रि गश्त पर निकली थी। भुड़कुड़ा गांव के पास उन्हें सड़क किनारे नहर में एक कार डूबी दिखाई दी। पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए किसी तरह कार का शीशा और गेट तोड़कर युवकों को निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान सुक्खू यादव, बलिराम प्रजापति, गंगा सागर और विद्यापति प्रजापति, गांव शेरवा, थाना जमालपुर, जिला मिर्जापुर के रूप में हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक चिरंजीवी मुखर्जी ने बताया कि मिर्जापुर जनपद के निवासी चारों युवक कार से चंदौली की ओर आ रहे थे। तभी बबुरी थाना क्षेत्र के भुड़कुड़ा गांव के पास उनकी कार असंतुलित होकर नहर में गिर गई। पानी में डूबने से चारों की मौके पर मौत हो गई। परिवार के लोगों को घटना की जानकारी दे दी गई है। गाड़ी किस वजह से असंतुलित हुई इसकी जांच की जा रही है। कार को पानी से निकालने का प्रयास किया जा रहा है।हादसे में चार की मौत के बाद गांव में मचा कोहराम। मिर्जापुर के जमालपुर थाना क्षेत्र के शेरवा गांव निवासी तीन भाई समेत चार युवकों की चंदौली में सड़क हादसे में मौत के बाद गांव में

कोहराम मच गया। मृतक के परिजन सूचना के बाद चंदौली रवाना हो गए। शेरवा गांव निवासी इंद्रदेव के पांच पुत्र हैं। उनके दूसरे नंबर के पुत्र का ससुराल चंदौली के रेवसा गांव में है। बुधवार को इंद्रदेव के तीन पुत्र गंगासागर, विद्यासागर, बलराम अपने साथी सुक्खू यादव पुत्र जयमूरत यादव के साथ भाभी को छोड़ने के लिए रेवसा गांव कार से गए थे। भाभी को उनके मायके छोड़कर सभी रात 10 बजे कार से वापस लौट रहे थे। भुड़कुड़ा गांव के पास कार अनियंत्रित होकर पानी में चली गई। हादसे में कार सवार चारों की मौत हो गई। मौत की सूचना घर पहुंचने पर कोहराम मच गया। घर पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। परिजन सूचना मिलने पर चंदौली के लिए रवाना हो गया। गांव के चार युवकों की मौत से कोहराम मचा हुआ है। चारों युवकों की शादी नहीं हुई थी।

27 को लखनऊ में होगी हनुमत् कृपा ट्रस्ट की पहली बैठक

आर. एल. पाण्डेय लखनऊ. हनुमत् कृपा ट्रस्ट की पहली सार्वजनिक बैठक ट्रस्ट के संरक्षक डॉ. श्याम लाल कपूर के निराला नगर (लखनऊ) स्थित घर पर आगामी 27 दिसम्बर दिन सोमवार को सायं साढ़े चार बजे आहूत की गयी है. यह जानकारी ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश दीक्षित ने दी.श्री दीक्षित ने बताया कि बीती तीन नवंबर हनुमान जयंती को रजिस्ट्रार कार्यालय में हनुमत् कृपा ट्रस्ट का पंजीकरण कराया गया था. ट्रस्ट के तत्वावधान में पूज्य बाबा नीब करौरी महाराज के जन्मोत्सव पर हनुमान सेतु मंदिर के सामने गरीब – असहाय लोगों को ठंड से बचने के लिए कंबल वितरित किये गये थे. अब श्रद्धालु जनों के सहयोग से नये साल के पहले दिन एक जनवरी को 251 गरीबों को पूड़ी – सब्जी के पैकेट बाँटे जाने का संकल्प लिया गया है. ट्रस्ट के सचिव पं. अनुराग मिश्र ने बताया कि ट्रस्ट की पहली बैठक में आध्यात्मिक मासिक पत्रिका ' हनुमत् कृपा ' के नियमित प्रकाशन, सदस्य संख्या बढ़ाने व सभी सदस्यों को समय से पत्रिका भेजने के लिए कारगर कदम उठाने पर विचार किया जाएगा. इसके अलावा, ट्रस्ट के अधीन उप समितियों के गठन, समाज सेवा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर राय – मशविरा तथा मंदिर व सार्वजनिक स्थल पर कथा भगवत् का आयोजन कराने पर भी बैठक में विचार – विमर्श किया जाएगा. श्री मिश्र ने बताया कि बैठक में ट्रस्ट से जुड़े सर्वश्री शरद कपूर, कमलेश बाजपेयी, सियाराम पाण्डेय ' शांत ', एस. डी. दीक्षित, नीलेश मिश्र, शिवा कांत शुक्ल, नीलम दीक्षित, विवेक बाजपेयी, डॉ. राकेश मिश्र, आशुतोष मेहरोत्रा, रमेश शर्मा, आचार्य रामू लाल पाण्डेय, आशीष दीक्षित आदि भक्त जन शामिल रहेंगे।

जरूरतमंद व गरीबों को वस्त्र बांटने का अभियान शुरू

आर एल पाण्डेय लखनऊ। गोमती नगर जनकल्याण महा समिति के द्वारा स्थापित कपड़ा बैंक मैं आज सभी उप खंडों के द्वारा प्रदान किए गए

वस्त्रों को जरूरतमंद व गरीबों को बांटने का अभियान शुरू किया जा रहा है। गोमती नगर जनकल्याण महा समिति के महासचिव डॉ राघवेंद्र शुक्ला ने सभी से निवेदन है कि इस पुण्य कार्य में रात को 9:00 से वितरण हेतु महा समिति के कार्यालय पहुंचने का कष्ट करें।

1971 के वीर शहीदों को डीएम व एसएसपी ने दी श्रद्धांजलि

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : विजय दिवस के अवसर पर सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास के तत्वाधान में सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय पर शहीदों को श्रद्धांजलि जिला अधिकारी विजय किरन आनंद व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ विपिन ताडा द्वारा दिया गया। जिसमें 1971के भारत–पाक युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रृद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि 03 दिसम्बर से लेकर 16 दिसम्बर 1971 के बीच भारत–पाक युद्ध लड़ा गया। 16 दिसम्बर 1971 को भारतीय सैनिकों ने अपने आदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तानी सेना के छक्के छुडाकर विजय प्राप्त की। भारत ने अपने रण कौशल एवं वीर सैनिकों की बहादुरी के बदौलत इस युद्ध को 14 दिनों में समाप्त कर दिया। भारतीय सेना ने आदम्य साहस, उत्तम रण कौशल और उच्च तकनीकी से इस युद्ध को जीत कर 90 हजार पाकिस्तानी सैनिको को बन्दी बना लिया और शिमला समझौते के तहत ही इन युद्धबन्दियों को बाद मे रिहा किया गया ये भारतीय सैनिको की ऐतिहासिक जीत सिद्ध हुई। इस युद्ध में हमारे बहुत से सैनिको ने अपना सर्वोच्च बलिदान देश के लिए समर्पित किया आज समूचा राष्ट्र इन बहादुर सैनिको को श्रद्धासुंमन अर्पित करता है। उन्होंने कहा कि तब से इस दिन प्रतिवर्ष पूरे देश में विजय

दिवस के रूप में मनाया जाता है। डीएम विजय किरन आनंद व एसएसपी डॉ विपिन ताडा ने शहीद सैनिकों की वीर नारियों को शाल ओढाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि विजय दिवस भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का प्रतीक है देश की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए समर्पित सेना के हर जवान और शहीद पर राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को गर्व है। देश की रक्षा के लिए हमारे वीर सैनिक तत्परता के साथ अपना योगदान देते है। देश की सीमाओं की रक्षा के लिए वीर सैनिकों द्वारा दिये गये सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद किया जायेगा तथा हम सभी लोगों को आने वाली पीढी को भी देश का महत्व बताते हुए इस बलिदान के लिए बच्चों को सीख देनी होगी। इस अवसर पर शहीदों की याद में दो मिनट का मौन रखा गया। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास अधिकारी सहित भूतपूर्व सैनिक एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहें।

अलीगंज तिरुपति ज्वैलर्स के लूट का खुलासा :दो गिरफ्तार : दो अन्य के बारे में मिलीं अहम जानकारिया

लखनऊ ब्यूरो : अलीगंज के तिरुपति ज्वैलर्स में कर्मचारी को गोली मारकर लूटपाट करने की वारदात का क्राइम ब्रांच व पुलिस ने खुलासा कर दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से तिरुपति ज्वैलर्स से लूटे गए गहने के साथ ही पिस्टल, तमंचा व चार कारतूस बरामद हुए हैं। वारदात में शामिल दो अन्य बदमाशों की तलाश की जा रही है। अलीगंज के कपूरथला स्थित निखिल अग्रवाल के तिरुपति ज्वैलर्स में आठ दिसंबर को बदमाशों ने कर्मचारी श्रवण को गोली मारकर करीब 40 लाख रुपये कीमत के सोने के गहने लूट लिये थे। पुलिस कमिश्नर ध्रुवकांत ठाकुर ने वारदात के खुलासे के लिए चार टीमें लगाई थीं। एडीसीपी (उत्तरी) प्राची सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज व अन्य माध्यमों से छानबीन कर अलीगंज पुलिस व क्राइम ब्रांच ने अलीगंज थाना क्षेत्र के बंधा रोड से गुरुवार भोर दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए हर्ष सिंह उर्फ हनी निवासी सी–21, थाना गाजीपुर व मूल निवासी ग्राम बछना, थाना बिल्हौर, कानपुर नगर और रवि शर्मा उर्फ रुद्र निवासी शिवपुरी, कल्याणपुर पानी की टंकी, गुडंबा व मूल निवासी टोलाटारा, थाना उजियारपुर, जिला समस्तीपुर, बिहार के पास से तिरुपति ज्वैलर्स के यहां लूट गए गहनों में से पांच सोने की चेन, दो अंगूठी व दो जोड़ी टॉप्स के साथ ही एक पिस्टल, एक तमंचा व चार कारतूस बरामद हुए हैं। अलीगंज इंस्पेक्टर धर्मेंद्र सिंह यादव ने बताया कि दोनों आरोपियों ने तिरुपति ज्वैलर्स के यहां लूटपाट कराना कुबूल किया है। हर्ष सिंह उर्फ हनी व रवि शर्मा उर्फ रुद्र का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। दोनों ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर वारदात अंजाम दी थी। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपियों के दो अन्य साथियों के बारे में भी अहम जानकारी मिली है। दोनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस व क्राइम ब्रांच की टीमें लगी हैं।

कलयुगी पिता को उम्रकैद : 30 हजार रुपये जुर्माना

लखनऊ ब्यूरो : नाबालिग बेटी के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने के आरोपी पिता को पाक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश अरविंद मिश्रा ने उम्रकैद के साथ–साथ 30 हजार रुपये के जुर्माने की सजा से दंडित किया है। अभियोजन की ओर से तर्क प्रस्तुत करते हुए विशेष अधिवक्ता अभिषेक उपाध्याय और सुखेंद्र प्रताप सिंह का तर्क था कि इस मामले की रिपोर्ट थाना गुडंबा में पीड़िता ने स्वयं अपने पिता के विरुद्ध दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि वह अपने पिता के साथ 10 वर्षों से खाली प्लॉट में झोपड़ी बनाकर रही है। पीड़िता का आरोप है कि वहीं पर उसके पिता लगभग सात वर्षों से उसके साथ गलत काम कर रहे हैं। पीड़िता ने अपनी मां, मौसी और नानी को बताया था। इसके बावजूद उसका पिता उसे मारपीट कर कहता था कि अगर किसी को बताया तो जान से मार दिया जाएगा। कोर्ट में नाबालिग ने आरोप लगाया कि जब वह सीतापुर चली गई तो पिता ने उसे वहां से भी बुलवा लिया और उसे नींद की गोली खिलाकर जबरदस्ती दुराचार करता है। पीड़िता ने किसी तरह पिता के चंगुल से छूटकर 24 अप्रैल 2014 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अदालत ने दुराचारी पिता को आजीवन कारावास से दंडित करते हुए कहा है कि जुर्माने की धनराशि अदा न करने पर उसे दो साल का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अदालत ने यह भी कहा है कि पीड़िता को हुए शारीरिक व मानसिक आघात के लिए प्रतिकर दिलाया जाना आवश्यक है। लिहाजा जुर्माने की सारी रकम पीड़िता को बतौर प्रतिकर अदा की जाएगी।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 171 कर्मियों को मिला पद और वेतन का लाभ

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के पद और वेतनमान को लेकर विगत सात– आठ वर्ष से मांग चल रही थी।जिसके लिए महामंत्री डॉ स्वतंत्र कुमार लगातार संघर्ष कर रहे थे। आखिरकार कार्यपरिषद ने मामले को संज्ञान लिया और कुलपति के आदेश पर कुलसचिव ने अंतिम मुहर लगा दी है। जिसका लाभ विवि के 171 कर्मियों को मिल गया है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के महामंत्री डॉ. स्वतंत्र कुमार राज्य कर्मचारियों के सेवा नियमावली के तहत पदनाम और वेतनमान वृद्धि को लेकर विश्वविद्यालय व प्रशासन से 22 सितंबर 2014 को आवाज उठाई थी। संशोधित पदनाम और वेतन वृद्धि को लेकर कर्मचारियों का लंबे समय से संघर्ष संघर्ष चल रहा था। 25 अक्टूबर 2021 को मद संख्या 12 द्वारा विश्वविद्यालय के लिपिक संवर्ग पुनर्गठन के लिए अंगीकृत किया गया। कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ने 13 दिसंबर को लिपिक संवर्ग का पुनर्गठन नियमानुसार करने का आदेश कुलसचिव महेंद्र कुमार को दिया।जिसके तहत उन्होंने नैतिक लिपिक को वरिष्ठ सहायक और वेतनमान 5200 से 20200 ग्रेड पे 2000 कर दिया है। कनिष्ठ सहायक को

वरिष्ठ सहायक वेतनमान 5200 से 20200 ग्रेड पे 2800 कर दिया। वरिष्ठ सहायक एवं सहायक अधीक्षक को प्रधान सहायक बना दिया और उनका पुनरीक्षित वेतनमान 9300 से 34800 ग्रेड पे 4200 कर दिया। और अधीक्षक एवं अधीक्षक लेखा को प्रशासनिक अधिकारी का दर्जा देते हुए पुनरीक्षित वेतनमान 9300 से 34800 ग्रेड पे 4600 कर दिया। जिसका लाभ विश्वविद्यालय के 171 कर्मियों को मिला है।इसके लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे कर्मचारी संघ के महामंत्री डॉ. स्वतंत्र कुमार ने विश्वविद्यालय कुलपति व प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया है।

एकता की मिसाल थे सरदार वल्लभ भाई पटेल : शिवा सेठ

जौनपुर शाहगंज पत्रकार धनन्जय विश्वकर्मा : बुधवार पन्नालाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के संस्थापक शिवा सेठ ने सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि मनाई। सरदार वल्लभभाई पटेल की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए समाजसेवी सिवा सेठ ने कहा कि देश में

सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रशासनिक कौशल और राष्ट्रीय एकता से आज के नौजवानों को सीख लेनी चाहिए, महापुरुषों ने जो भी बातें कही है वह हमेशा से सत्य होती आई है और जहां एकता है वही ताकत है जब राष्ट्र में एकता ही नहीं होगा तो राष्ट्र का विकास होना असंभव है हम सबको सदैव राष्ट्र एकता पर अडिग रहना चाहिए क्योंकि इस देश को बचाने में कई योद्धाओं ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए उन सब से हम सभी को सीख लेने की आवश्यकता है तभी जाकर इस राष्ट्र का विकास और राष्ट्रीय एकता कायम हो सकता है। इस अवसर पर रामउजागीर, अशोक,विकास,रोहित,कृष्णा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अध्यक्ष डॉ विशाल सिंह के नेतृत्व में बेसिक शिक्षकों ने खण्ड शिक्षाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ और उत्तर प्रदेशीय शिक्षक संघ के संयुक्त आह्वान पर प्राथमिक शिक्षक संघ की मड़ियाहूं इकाई ने बेसिक शिक्षकों की बहु

प्रतीक्षित मांगो से सम्बंधित ज्ञापन अध्यक्ष विशाल सिंह के नेतृत्व में मड़ियाहूं के खंड शिक्षा अधिकारी श्री मनोज कुमार यादव को सौंपा।मुख्यमंत्री को सम्बोधित इस ज्ञापन में मुख्य रूप से पुरानी पेंशन बहाली, पदोन्नति, कैशलैस इलाज जैसी बहु प्रतीक्षित मांगों को अतिशीघ्र पूरा करने की मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने के पश्चात अध्यक्ष विशाल सिंह ने कहा कि हम अपने वाजिब मांगों को पूरा होने तक अपना संघर्ष जारी रखेंगे।यदि सरकार इन मांगों को लागू करने में अनावश्यक हिला हवाली करती है तो बेसिक शिक्षक हर स्तर पर सरकार के कार्यों का विरोध करे गे। इस अवसर डॉ व साकेत सिंह, अमित अस्थाना, नवीन सिंह, डॉ भूपेंद्र सिंह, अखिलेश सिंह ,देवेंद्र श्रीवास्तव,कमलेश यादव ,प्रीति मौर्या, जरीना बानो, अजय सिंह,देवेश सरोज,प्रदीप आदि शिक्षक मौजूद रहे।

पौने पांच साल में बदल गई अयोध्या : अबकी बार भाजपा को घर बचाने व सपा को झंडा फहराने की चुनौती

लखनऊ ब्यूरो : सप्तपुरियों में गिनी जाने वाली अयोध्या पौने पांच वर्षों में बहुत बदल चुकी है। चार सदियों से आस्था के संघर्ष, परीक्षा और प्रतीक्षा का प्रतीक भगवान श्रीराम जन्मभूमि का मंदिर वहीं बनना शुरू हो चुका है, जहां के लिए भाजपा सहित पूरा संघ परिवार तीन दशक से ज्यादा वक्त से 'रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे', जैसे नारे के साथ राजनीतिक ताकत की तलाश में जुटा था। अयोध्या ही नहीं बदल रही है, बल्कि इस स्रोत के सरोकारों से हासिल सत्ता की शक्ति से भाजपा ने जम्मू–कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करके, तुष्टीकरण पर रोक लगाने सहित हिंदुओं की आस्था से जुड़े स्थलों के विकास एवं उनके सरोकारों पर काम करके एक तरह से प्रदेश की ही नहीं, देश की राजनीति की दिशा व दशा दोनों बदल दी है। हालांकि, मौजूदा राजनीतिक समीकरणों ने अन्य दलों में भी उम्मीद जगाई है। त्रेता युग की दिवाली को कलियुग में साकार करने के साथ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, मेडिकल कॉलेज, सैकड़ों एकड़ में नव अयोध्या बसाने की योजना जैसे काम तो हैं ही। भविष्य में अयोध्या के बड़ा पर्यटन स्थल बनने के विश्वास पर होटल, धर्मशाला और आश्रम बनाने की योजना के लिए बड़े पैमाने पर जमीनें खरीदी जा रही हैं। हजारों करोड़ रुपयों की प्रस्तावित अन्य योजनाएं अयोध्या के बदलाव की कहानी को पंख लगा रही हैं। बदलाव की कहानी की बानगी है–हिंदुत्व के सांस्कृतिक सरोकारों को सहेजते, समेटते, प्राचीनता एवं नवीनता का मिश्रण...। हिंदुत्व की आस्था पर प्रदेश व केंद्र सरकारों के सरोकारों के रंग चटख करने का संदेश...। सरयू की धारा और उसके सुंदर हो रहे घाटों व दिव्यता एवं भव्यता को सहेजने के लिए राम की पैड़ी पर हो रहे काम।अयोध्या की राहें हो रहीं सुगम। अयोध्या के रेलवे स्टेशन को भव्यता देने के साथ इसे देश के विभिन्न स्थानों से सीधे रेल, सड़क और हवाई मार्ग से जोड़ने का काम हो रहा है। राम जानकी मार्ग जैसी योजनाओं और दिल्ली वाया लखनऊ पूर्वांचल के अंतिम छोर गाजीपुर तक प्रदेश को जोड़ने के लिए बन रहे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से लिंक मार्ग के जरिए अयोध्या को जोड़कर आने वालों के लिए सुगम बनाया जा रहा है। राम वन गमन मार्ग की योजना से अयोध्या को सीधे चित्रकूट व मध्यप्रदेश से जोड़ने की योजना पर भी काम हो रहा है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से इस मंडल के कई हिस्सों में विकास का नया सिलसिला शुरू होने की उम्मीद की जा रही है। सबकी अयोध्या, सबमें अयोध्या। बदलती अयोध्या ने सिर्फ मंडल की नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की राजनीति की दिशा व दशा बदल दी है। प्रदेश की सियासी जंग भले ही अब टोपियों पर आ गई हो...। बात काली, लाल टोपियों की हो रही हो...। पर, अयोध्या का रंग सबकी सियासी टोपियों पर चढ़ा दिख रहा है। अपनी सियासत के लिए अयोध्या से दूरी बनाने वालों की जुबान पर भी इसके प्रति आस्था उमड़ रही है। रामलला की शरण में अब सिर्फ भाजपा ही नहीं, बल्कि सपा, बसपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सहित सभी हैं। यह सब कुछ वैसे ही है जैसे अयोध्या का श्रीराम जन्मभूमि मंदिर अब हिंदुत्व पर आस्था का प्रमाणपत्र बन चुका हो। वह प्रमाणपत्र, जो आज गैर भाजपा दलों को भी भाजपा की राह रोकने के लिए जरूरी लगने लगा है। जिस तरह का माहौल है उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि 22 के चुनावी रंग में भी उत्तर प्रदेश में अयोध्या का रंग 19 नहीं रहने वाला। बदलते रहे रंग, मतदाताओं के ढंग। राजनीति बदली तो राजनेताओं के दबदबे में भी बदलाव हुआ है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में अमेठी में कांग्रेस के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की पराजय और भाजपा नेता स्मृति ईरानी की जीत इसका प्रमाण है। गोसाईगंज से भाजपा के विधायक इंद्रमणि तिवारी उर्फ खब्बू तिवारी की सदस्यता रद्द होने जैसी घटनाएं सत्तारूढ़ दल की साख के लिए धक्का भी बनी हैं। उथल–पुथल पहली बार नहीं है। अयोध्या, देश और प्रदेश की राजनीति में तीन दशक से ज्यादा वक्त से उथल–पुथल मचाती रही है। धर्मनिरपेक्षता के नारे की धार गोठिल कर हिंदुत्व की प्रासंगिकता स्थापित करने वाली अयोध्या अपने मंडल के विभिन्न हिस्सों में अलग–अलग रंग दिखाकर राजनीतिक विश्लेषकों को विश्लेषण पर मजबूर भी करती रही है। बिल्कुल सरयू की धारा की तरह...। जिनकी गति को लेकर कोई भविष्यवाणी करना हमेशा मुश्किल रहा है। चिराग तले अंधेरा भी... कांग्रेस की लहर में निर्दलीयों, सोशलिस्टों तो कहीं कम्युनिस्टों को गले लगाकर...। बीच–बीच में कहीं जनसंघ का भी एक–दो दीया जलाकर...। अयोध्या अपने साथ हर दल को गले लगाने व रूठने पर उसको निपटाने, कभी धारा के साथ चलने तो कभी उसके विपरीत तैरने का इतिहास समेटे है। पर, एक सवाल भी रहा है। – जिस अयोध्या ने देश की सियासत को अपनी धुरी पर नचाया, वह अपने आसपास के कुछ हिस्सों में अपनी रंगत नहीं बिखेर पाया। 'चिराग तले अंधेरा' कहावत के मानिंद। इसका प्रमाण 2017 में पूरे प्रदेश में बह रही केसरिया हवा का अंबेडकरनगर में थम जाना और वहां की विधानसभा की पांच सीटों में से दो पर ही बमुश्किल कमल का खिल पाना है। – एक पंक्ति में कहा जाए तो सियासत में केसरिया रंग को चटख और चमकीला बनाने में अहम भूमिका निभाने वाली अयोध्या सबको नचाती रही। वैसे ही जैसे गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में वर्णन किया है– 'उमा दारु जोषित की नाईं। सबहि नचावत राम गोसाईं।' समाधान हुए पर समस्याएं अब भी बदलाव की प्रक्रिया से गुजर रही अयोध्या में हलचल व स्थिरता की जगह शांति ने ले ली है। परीक्षा और प्रतीक्षा सब पूरी हो चुकी है। मंडल के अन्य चार जिलों–बाराबंकी, अंबेडकरनगर, सुल्तानपुर और अमेठी के लोगों में भी बदलाव की इसने उम्मीद जगाई है। लोगों को अयोध्या के सांस्कृतिक विकास पर प्रसन्नता और भविष्य में पर्यटन बढ़ने से रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। पर, इस टीस के साथ कि सरकार की सूची में नंबर एक पर मौजूद अयोध्या के आसपास के इलाके में कोई बड़ा नया उद्योग लगाकर रोजगार के अवसर सृजित करने की तरफ सरकार का ध्यान क्यों नहीं गया। ले देकर वही मसौधा और रौजागांव की चीनी मिलें हैं, जो वर्षों पहले लगी थीं। इस कारण किसानों को दिक्कत होती है। आर्डिनेंस फैक्टरी, फ्लाईओवर बदलेंगे सूरत ऐसा नहीं है कि अयोध्या के अलावा मंडल के किसी अन्य जिले में कुछ काम ही नहीं हुआ है। अमेठी में आर्डिनेंस फैक्टरी लगी है तो बाईपास व फ्लाईओवर लोगों के लिए राहत है। बाराबंकी में भी तीन फैक्टरियों में एक लग चुकी है। अंबेडकरनगर में आवागमन सुगम करने के लिए कई सड़कें और पुल बन रहे हैं। पर, पहले की सरकारों ने शायद इस इलाके की इतनी अनदेखी की कि यहां के लोगों की जरूरतों के सामने होने वाले काम काफी कम नजर आते हैं। सुल्तानपुर के लोग कहते हैं कि एक और चीनी मिल की मांग लगातार की जा रही है, लेकिन नई लगना तो दूर पुरानी मिल भी ठीक नहीं कराई गई। अयोध्या जिसकी धुरी पर नाची सियासत... अयोध्या वो है, जिसकी धुरी पर पूरे देश की सियासत नाची...। अयोध्या वो है, जिसकी ताकत से सरकारें बनीं तो गिरीं भी...। अयोध्या वो है, जिसने प्रदेश और देश की राजनीति की न केवल दिशा बदली, दशा भी बदल दी...। कुछ टीसें भी साल रहीं लोगों को टीस इस बात की भी है कि अतीत में कई बार अपने नुमाइंदों को मंत्रिमंडल में शामिल कराने में दबदबा रखने वाले इस इलाके से अमेठी के सुरेश पासी के रूप में सिर्फ एक प्रतिनिधित्व है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी स्मृति ईरानी के रूप में एकमात्र अमेठी का ही प्रतिनिधित्व है। जबकि 2017 में जनता ने इस इलाके में आने वाली विधानसभा की 25 सीटों में से 19 भाजपा की झोली में डाल दी थी। इनमें अयोध्या की सभी पांच सीटों पर भाजपा जीती थी। बाराबंकी की छह में से पांच सीटों पर भाजपा, एक पर सपा, सुल्तानपुर की पांच सीटों में से चार पर भाजपा, एक पर सपा, अमेठी की चार सीटों में तीन पर भाजपा, एक पर सपा जीती थी। अंबेडकरनगर की पांच सीटों में 2017 में तीन पर बसपा और दो पर भाजपा जीती थी। पर, बसपा के विधायक रीतेश पांडेय के 2019 में अंबेडकरनगर से लोकसभा चुनाव लड़ने के कारण हुए उपचुनाव में सपा ने यह सीट जीत ली। इसी तरह बाराबंकी के जैदपुर से भाजपा जीती, लेकिन उपेंद्र रावत के लोकसभा चुनाव लड़ने से रिक्त सीट पर हुए उप चुनाव में सपा ने जीत हासिल कर इस इलाके में वापसी की आहट दे दी है। घर बचाए रखने और घर पर फिर कब्जा करने के बीच बढ़ती लड़ाई वैसे भी आचार्य नरेंद्र देव, डॉ. राममनोहर लोहिया और रामसेवक यादव जैसे समाजवादियों की यह धरती आजादी के बाद से ही मिश्रित राजनीतिक रंग वाली रही। कभी धारा के विपरीत तो कभी धारा के साथ...। भले ही हिंदुत्व या साधु–संतों को सियासत में लाने का श्रेय या दोष भाजपा को दिया जाता हो, लेकिन इस धारती ने आचार्य नरेंद्र देव के खिलाफ कांग्रेस के टिकट से उतरे बाबा राघव दास को जीत दिलाकर इसकी शुरुआत 1948 में ही कर दी थी। चुनाव आने के साथ इस धरती पर नए प्रयोग फिर दिख रहे हैं। 2017 की केसरिया बयार को भी रोककर हाथी को आगे ले जाने वाले अंबेडकरनगर के विधायक लालजी वर्मा और रामअचल राजभर समाजवादी पार्टी में शामिल हो चुके हैं। बसपा के पूर्व सांसद त्रिभुवन दत्त भी साइकिल पर सवार हो गए हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी इस इलाके में कांग्रेस की सूखी जड़ों को निकालकर उनकी जगह नए बीजों को रोपकर खाद–पानी देने की कोशिश कर रही हैं। पर, जो परिदृश्य बन रहा है उससे इस इलाके की लड़ाई मुख्य रूप से भाजपा और सपा के बीच घर बचाए रखने और घर पर फिर कब्जा करने के बीच सिमटती जा रही है। सवाल अब भी बाकी हैं... अवध विश्वविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर प्रो. अजय प्रताप सिंह कहते हैं, अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शिलान्यास की नौबत अब आ रही है। जबकि अब तक इसे तैयार हो जाना चाहिए था। अवध विश्वविद्यालय की पत्रकारिता की छात्रा याशिनी दीक्षित बेरोजगारी एवं महिला सुरक्षा का सवाल उठाती हैं। याशिनी कहती हैं, अयोध्या में भी यदि देर शाम किसी लड़की को बाहर निकलने में डर लगे तो दिल और दिमाग में सवाल उठना स्वाभाविक है। शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्था बेहतर हो कमला नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान सुल्तानपुर के पूर्व प्राचार्य डॉ. राधेश्याम सिंह भी कहते हैं कि विकास बस सड़कों के रूप में हुआ है। शिक्षा एवं चिकित्सा की सुविधा पहले जैसी बदहाल हैं। जिले की बौद्धिक समृद्धि की प्रतीक ऐतिहासिक पुस्तकों की धरोहर मेहता लाइब्रेरी भी बंद कर दी गई। वरिष्ठ साहित्यकार कमलनयन पांडेय गुरुजी याद दिलाते हैं, सरकारों की उपेक्षापूर्ण नीति के कारण सुल्तानपुर के बंधुआ का विख्यात पीतल उद्योग पूरी तरह नष्ट हो गया।

पीएम मोदी 23 दिसंबर को आयेंगे वाराणसी : उसको लेकर हुई तैयारी बैठक

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को दो दिवसीय वाराणसी के दौरे पर आए थे, जहां उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण किया था। अब पीएम मोदी 23 दिसंबर को परियोजनाओं की सौगात देने वाराणसी आ रहे है उसी को लेकर हुई तैयारी बैठक सल्तनत बहादुर पी जी कालेज में हुई। जिसकी अध्यक्षता पूर्व जिला मंत्री राजेश्वरी सिंह ने की। बैठक को सम्बोधित करते हुये बतौर मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी राकेश त्रिवेदी ने कहा कि बाबा विश्वनाथ धाम लोकार्पण के लिए काशी आए पीएम नरेंद्र मोदी 30 घंटे के प्रवास के बाद मंगलवार की शाम दिल्ली लौट गए। अब 23 दिसंबर को उनका फिर काशी आगमन होगा। इस दौरान वह काशी को 1500 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात देंगे। इसमें छह वार्डों के सुंदरीकरण, फोरलेन सड़कों के शिलान्यास सहित कई अन्य परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि वह खिड़किया घाट में छह वार्डों के सुंदरीकरण कार्य, बेनियाबाग में मल्टी लेवल पार्किंग सहित 800 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इसके

अलावा मोहनसराय–लहरतारा व चांदपुर फोरलेन सहित 700 करोड़ की परियोजना का शिलान्यास करेंगे। जिसमे प्रत्येक शक्ति केंद्र से 100 कार्यकर्ता का सम्मिलित होने का लक्ष्य लिया गया है। वाहन प्रमुख बनाकर सभी कार्यकर्ताओं को सभा स्थल पर पहुचा कर कार्यक्रम को सफल बनाए। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुनील तिवारी ने की। उक्त अवसर पर जिला महामंत्री सुशील मिश्रा, पीयूष गुप्ता, सुनील तिवारी, मंडल अध्यक्ष गण विनोद शर्मा, बलवीर गौड़, विनोद मौर्य, यादवेन्द्र सिंह लवकुश आई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्राकृतिक खेती को जन आंदोलन बनाए जाने का पीएम का आवाहन

जौनपुर सू.वि. : आजादी के अमृत महोत्सव पर आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत गुरुवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन नेचुरल फार्मिंग सजीव प्रसारण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्राकृतिक खेती को पुनर्जीवित कर प्रदेश को आर्थिक रूप से संवर्धन बनाने के दृष्टिगत किसानों को जीरो बजट की खेती हेतु प्रेरित किया गया। गुजरात प्रदेश में आयोजित संगोष्ठी को जनपद के समस्त विकासखंड में किसान लाइव स्ट्रीमिंग से जुड़कर कृषि विशेषज्ञों, केंद्रीय कृषि मंत्री एवं प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुने इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उपज का डेढ़ गुना दाम देने, पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट, भंडारण गृह, मूल्य सम्बर्धन, कोल्ड चेन, कृषि विविधीकरण आदि से किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेती की चुनौतियों से निपटने के लिए रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशको के विकल्प का ध्यान रखकर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए गो आधारित खेती आज की एक अनिवार्य आवश्यकता हो गई है, इसमें सभी कृषि कार्य प्राकृतिक संसाधनों के प्रयोग से किए जाते हैं। प्राकृतिक खेती को ज्यादा से ज्यादा किसानों तक ले जाएंगे प्राकृतिक खेती से जुड़ने से मानवता एवं इंसानियत आएगी, आत्म निर्भर भारत एवं खुशहाल किसान के लिए इसे जन आंदोलन बनाने के लिए उन्होंने किसानों से आवाहन किया। उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने बताया कि विकास खण्ड वार कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा जनपद स्तरीय अधिकारियों यथा जिला कृषि अधिकारी केके सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी, गन्ना, उद्यान एवं मत्स्य आदि को पर्यवेक्षकीय अधिकारी नामित किया गया था। प्रधानमंत्री के सजीव प्रसारण में जनपद के कुल 4317 कृषको जिसमें 2672 पुरुष एवं 1645 महिला कृषकों ने प्रतिभाग कर जैविक खेती का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षित कृषक अब घर घर जाकर प्राकृतिक खेती के लिए लोगों को जागरूक करेगें। बरसठी ब्लाक के सजीव प्रसारण के मौके पर उप कृषि निदेशक जयप्रकाश, उप परियोजना निदेशक आत्मा डॉ रमेश चंद्र यादव, एडीओ एजी गिरजा शंकर वर्मा, राजीव त्रिपाठी, रमेश दूबे, अनिता, आशा देवी सहित भारी संख्या में महिला एवं पुरूष किसान उपस्थित रहे।

देश की एकता के लिए समर्पित था सरदार पटेल का जीवनः कुलपति

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने बुधवार को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपना पूर्ण जीवन देश के एकीकरण में समर्पित कर दिया था। उनके

प्रयासों के उपरांत ही भारत का वर्तमान स्वरुप संभव हो सका है। देश हमेशा उनकी असाधारण सेवा, उनके प्रशासनिक कौशल और हमारे राष्ट्र को एकजुट करने के अथक प्रयासों के लिए उनका आभारी रहेगा। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को उनके जीवन से सीख लेनी चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक,अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे।

अवसानी माई की पूजा करने से बनते है बिगड़े काम

जौनपुर। शाहगंज पत्रकार धनंजय विश्वकर्मा : जौनपुर जनपद के विकासखंड शाहगंज अंतर्गत अतरौरा गांव में मदन विश्वकर्मा के घर आज 3 वर्ष के बाद उनका पुत्र संजय विश्वकर्मा विदेश से आने के पर अवसान माई की पूजा किया गया, यह पूजा संजय की माता निर्मला देवी के साथ 7 सोहागिन महिलाओं द्वारा सम्पन्न हुआ। अवसानी माई के कृ

पा दृष्टि से पुत्र घर आने पर 8 सुहागिन महिलाओं के द्वारा माता ने अपने घर पर पूजा की। यह पूजा प्रदेश के सभी गांव से शहर तक बहुत तेजी से किया जा रहा है। इस पूजा का मानना है कि जो कार्य आसान नहीं है। अवसानी माई की पूजा करने से सभी काम आसान हो जाता है। इस पूजा में गांव की महिलाएं जिसमें निर्मला विश्वकर्मा पत्नी मदन चन्द, नीलम पाठक, सुनीता पाठक, निर्मला सिंह, लालमणि प्रजापति, प्रेमा प्रजापति, फुलपत्ति प्रजापति, रीमा यादव और इस पूजा की जानकारी के लिए दूरदराज से आयीं प्रमिला विश्वकर्मा,रामअवध यादव,विकास, ज्योति,प्रीति,विशाल, आदि लोग उपस्थित रहे।

जिला कारागार जौनपुर का निरीक्षण एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन संपन्न

जौनपुर सू.वि. : उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर एम0 पी0 सिंह के संरक्षण एवं अनुमति से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में सचिव, पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती शिवानी रावत जौनपुर की अध्यक्षता में 16 दिसम्बर 2021 को समय अपराह्न 01:00 बजे से जिला कारागार, जौनपुर का निरीक्षण एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। निरीक्षण में जेलर द्वारा बताया गया कि जिला कारागार में कुल 1238 बन्दी है जिसमे पुरुष 1134, महिला बन्दी 57 एवं 47 अल्पवयस्क हैं। महिला बन्दियों में 3 सिद्धदोष तथा 54 विचाराधीन महिला बन्दी हैं। महिला बन्दियों के साथ 06 वर्ष से कम आयु के 14 बच्चे है। जिला अस्पताल में भर्ती बन्दियों की संख्या 10 तथा 02 बन्दियों का इलाज बी0एच0यू0 वाराणसी से चल रहा है। जेल अस्पताल में कुल 27 बन्दी है। किशोर बैरक में 18 से 21 वर्ष तक की आयु के 39 किशोर बन्दी है। सचिव, पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती शिवानी रावत द्वारा बन्दियों को गिरफ्तार हुये व्यक्तियों के अधिकारों के बारे मे जानकारी देते हुए बताया गया कि गिरफ्तार किये गये व्यक्ति को अधिवक्ता नियुक्त करने तथा गिरफ्तार किये जाने पर रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर द्वारा परीक्षण व धारा 41 बी द0प्र0सं0 के अर्न्तगत पुलिस द्वारा गिरफ्तारी प्रपत्र बनाये जाने एवं गिरफ्तारी का आधार जानने का तथा जमानत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने का अधिकार है, गिरफ्तारी के बारे में पारिवारिक सदस्यों या मित्र को सूचित किये जाने तथा गिरफ्तारी के 24 घण्टे के अन्दर सक्षम मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करने का अधिकार है। सचिव, द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान करायी जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। किसी भी बन्दी को मुकदमें में पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता की आवश्यकता होने पर उनके प्रार्थना पत्र प्रेषित किया जाना सुनिश्चित किये जाने हेतु जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया। जेल पी0एल0वी0गण को नियमित रूप से सभी बन्दियों को जागरूक किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बन्दियों की चिकित्सा व्यवस्था एवं बैरकों व जेल परिसर की साफ–सफाई व्यवस्था दुरूस्त रखे जाने एवं समय पूर्व रिहाई के पात्र बन्दियों को चिन्हित किये जाने हेतु जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक एस0 के0 पाण्डेय, जेलर कुलदीप भदौरिया, चिकित्साधिकारी डा0 रविराज, डिप्टी जेलर कमलेन्द्र प्रताप सिंह व अन्य स्टाफ तथा जेल पीएलवी गण दीपक, सुरेन्द्र, विमल, विकास व त्रिभुवन यादव तथा अन्य बंदी उपस्थित रहे।

इस बार वाहन चेकिंग तक ही सीमित कर रह गया यातायात सड़क सुरक्षा सप्ताह व यातायात माह दिवस

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)इस बार यातायात माह दिवस व यातायात सुरक्षा सप्ताह महज खानापूर्ति तक ही सीमित रह गया।इस दौरान पुलिस विभाग,यातायात पुलिस विभाग व परिवहन विभाग द्वारा चलाये गये संयुक्त अभियान में एक दो स्कूलों में यातायात के प्रति छात्र छात्राओं को जागरूक करना व कुछ वाहनों के चालान करने के साथ साथ इसके अलावा कोतवाली नगर क्षेत्र के नाका व अन्य जगहों पर ट्राली पर लेफरेक्टर लगाने का ही कार्य हुआ।जो कि महज खानापूर्ति साबित हो रहा था।सूत्र के मुताबिक जबकि वास्तव में अगर देखा जाए तो यातायात माह दिवस व सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत कोतवाली नगर क्षेत्र में आज से कुछ साल पहले पुलिस विभाग,नगर निगम विभाग,विकास प्राधिकरण के साथ–साथ परिवहन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा शहर वासियों व सड़कों के किनारे दुकानदारों को पहले अतिक्रमण के अलावा यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाता था।इस मौके पर जहां एक ओर इन विभागों द्वारा जिले के स्कूलों कालेजों व महाविद्यालयों में यातायात नियम के प्रति छात्र–छात्राओं शिक्षकों को रैली,निबंध प्रतियोगिता व अन्य नुक्कड़ सभाओं के साथ–साथ कई कार्यक्रमों के माध्यम से यातायात के प्रति जागरूक किया जाता था।इसके अलावा पुलिस, नगर निगम व विकास प्राधिकरण के अधिकारियों व कर्मियों द्वारा उन दुकानदारों व प्रतिष्ठान के मालिक मालिकों पर अतिक्रमण का चाबुक भी चलता था जो सड़कों के दोनों किनारे अतिक्रमण किए रहते थे और उनकी वजह से इधर से आने जाने वाले राहगीरों वाहन चालकों को काफी परेशानियों

का सामना करना पड़ता था।परंतु अब ऐसा कुछ यातायात माह के साथ–साथ सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान नहीं दिखाई देता है।अब तो सिर्फ यातायात पुलिस कर्मियों व परिवहन निगम कर्मियों के संयुक्त अभियान में कुछ कार्यक्रम व वाहन चालान के नाम पर यह अभियान पूरा हो जाता है।इस संबंध में जब देश की उपासना व नव भारत चेतना न्यूज चौनल की टीम ने शहर वासियों से पूछा तो उन लोगों का एक ही जवाब था कि अब तो ना पहले जैसा यातायात माह दिवस दिखाई देता है और ना ही अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध शहर में आक्रमण चलाया जाता है।जिसके कारण शहर में वाहन पार्किंग का अभाव यातायात नियम के विरुद्ध वाहनों को खड़ा करना दुकानदारों द्वारा सड़कों के दोनों ओर अतिक्रमण करना देखा जा सकता है।जिसके चलते अब शहर में जाम लगना आम बात हो गया है।

एसएसपी अयोध्या ने सीओ कार्यालय व आवासीय परिसर का फीता काटकर किया उद्घाटन

अयोध्या।(अमित कुमार मणि त्रिपाठी संवाददाता बीकापुर)गत दिनो जिले में सीओ बीकापुर सतेन्द्र भूषण तिवारी के कार्यालय व आवासीय परिसर का नवीनीकरण नवनिर्मित का वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अयोध्या शैलेंश कुमार पांडे ने फीता काटकर उद्घाटन किया।इसी कड़ी में वहीं दूसरी तरफ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा सीओ परिसर में पौध रोपित किए गए।सूत्र के मुताबिक इस मौके पर पत्रकारो से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि सीओ पुलिस कार्यालय और आवासीय परिसर नये अंदाज में सज धज कर सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसके निर्माण से कर्मियों को कार्य करने में तो सहूलियत होगी ही साथ ही उनके रहने के लिए आवास की भी व्यवस्था है।बीकापुर के लोग काफी समझदार है। किसी भी तरह की कठिनाई न हो इसके लिए पुलिस विभाग हमेशा तत्पर रहता है। मौके पर पंडित के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ एस एस एस पी ने फीता काटकर भवन का उद्घाटन किया। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी पुलिस सत्येंद्र भूषण तिवारी,

उप जिलाधिकारी बीकापुर अनुराग प्रसाद ,तहसीलदार राजेश कुमार ,वर्मा,प्रभारी निरीक्षक बीकापुर मणि शंकर तिवारी, बीकापुर ब्लाक प्रमुख दिनेश कुमार वर्मा, पूर्व ब्लाक प्रमुख शिव कुमार सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष जुग्गी लाल यादव, उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता के अलावा अधिवक्ता गण भी मौजूद रहे।

पत्रकार के साथ मारपीट और छिनैती का आरोप कोतवाली में हुई शिकायत : जांच में जुटी पुलिस

अयोध्या। (डा.अजय तिवारी जिला संवाददाता)जिले के बीकापुर कोतवाली क्षेत्र में एक टीवी चौनल के पत्रकार के साथ अज्ञात बदमाशों द्वारा मारपीट करने और लूटपाट करने का आरोप है।सूत्र के मुताबिक पीड़ित पत्रकार द्वारा कोतवाली में अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।इस संबंध में पीड़ित कोतवाली क्षेत्र के

बसंतपुर निवासी पत्रकार राघवेंद्र मिश्रा का आरोप है कि वह 13 दिसंबर सोमवार की रात्रि करीब 9 बजे सुल्तानपुर से बाइक पर अपने घर वापस लौट रहा था।जैसे ही वह प्रयागराज हाईवे से अपने घर की तरफ जाने वाले मार्ग पर पहुंचा इसी दौरान अचानक तीन अज्ञात बदमाशों ने उनके ऊपर हमला कर दिया। 1300 रुपए नगदी सहित उनकी मोबाइल परिचय पत्र छीन लिया। बदमाशों द्वारा उनके सिर पर असलहे के बट से प्रहार किया गया।आरोप के मुताबिक उनका हेलमेट भी टूट गया है और पैर में भी चोट आई है।रात में ही सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की गई। मंगलवार को तहरीर मिलने के बाद कोतवाली पुलिस द्वारा पीड़ित को मेडिकल परीक्षण के लिए सीएचसी बीकापुर भेजा गया।कोतवाली पुलिस द्वारा मामले की जांच पड़ताल शुरू की गई है।

धर्म नगरी अयोध्या के लिए बना ऐतिहासिक पल जब देश के 10 राज्यों के मुख्यमंत्री प्रभु श्री राम के दरबार में हाजिरी लगायी

अयोध्या(संवाददाता) सुरेंद्र कुमार। भाजपा के शासित 10 राज्यों के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री जेपी नड्डा के नेतृत्व में आज अयोध्या धाम पहुँचे थे। जिसमें पेमा खांडू मुख्यमंत्री अरुणाचल प्रदेश,एन. बिरेन सिंह मुख्यमंत्री मणिपुर,बिपलब कुमार देव मुख्यमंत्री त्रिपुरा,रेणु देवी उपमुख्यमंत्री बिहार शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश सपत्नीक,प्रमोद सावंत मुख्यमंत्री गोवा सपत्नीक,तारकेश्वर प्रसाद उपमुख्यमंत्री बिहार सपत्नीक,मनोहर लाल खट्टर मुख्यमंत्री हरियाणा,भूपेंद्र भाई पटेल मुख्यमंत्री गुजरात सपत्नीक,चोना मीन उपमुख्यमंत्री अरुणाचल प्रदेश ,हिमंत बिस्वसरमा मुख्यमंत्री आसाम,जेपी नड्डा ,अध्यक्ष बीजेपी,अमित कुमार,धर्मेश कुमार,विनय सहस्रबुद्धे सांसद, राज्यसभा ने किया सरयू में दर्शन पूजन। उतारी माता जी की आरती। माँ सरयू के दर्शन किया और सरयू की आरती उतारी।इसके बाद सभी ने हनुमानगढ़ी में पहुचकर मत्था टेका और बजरंग बली का आशीर्वाद लिया।अयोध्या धाम आए हुए मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री का हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास ने स्वगात किया इस दौरान पुजारी राजू दास ने कहा कि आज 10 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने हनुमानगढ़ी में दर्शन किए और वैदिक मंत्रोच्चारण से आरती भी उतारी जो हमारे हिंदू धर्म की सनातन परंपरा है इसके बाद उन्होंने अपने अपने प्रदेशों की जनता के लिए मंगल कामना मांगी।राजू दास ने कहा कि अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि का निर्माण हो रहा है उन लोगो के मुँह पर तमाचा है जो प्रभु श्रीराम से नफरत करते हैं। सरयु आरती के अतिरिक्त उन्होंने रामलला के दर्शन भी किए और एयरपोर्ट से लखनऊ रवाना हो गए।

हापुड़ में 17 दिसम्बर से 60 वें सीनियर राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव)60 वें सीनियर राज्य स्तरीय बास्केटबॉल चौम्पियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन कल 17 दिसम्बर से उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में शुरु होगा।जिसमे प्रदेश के अनेक जिले से आने वाली टीमे इस प्रतियोगिता में अपना अपना भाग्य आजमायेगी।सूत्र के मुताबिक इस प्रतियोगिता का आयोजन कल 17 दिसम्बर से प्रारंभ होकर 20 दिसंबर तक चलेगा।जिसमे उत्तर प्रदेश के अधिकतर जिलो से टीमे प्रतिभाग करेगी।वही इसी कड़ी में इसमे शामिल होने जा रही लखनऊ की टीम के कप्तान का दायित्व का निर्वहन रैपिड एक्शन फोर्स 91 वे बटालियन के निरीक्षक अशफाक अहमद कर रहे है।उन्होने बताया कि उनके अलावा इस टीम में रुद्राक्ष, अश्वनी, शिवम्, रितेश, शमशीर, अभिषेक, रोबी, विशाल, शाहनाज, शिवम व दानिश शामिल है।

23 वें भरतकुंड महोत्सव के लिए भूमि पूजन संपन्न : नंदीग्राम रत्न समेत महायोगीराज सम्मान के नामों की हुई घोषणा

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता)वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच आज नंदीग्राम में 23वें भरतकुंड महोत्सव के पूर्व न्यास के सदस्यों ने विघ्नहर्ता गणेश जी की विधिवत पूजा अर्चना करते हुए भूमि पूजन किया।निर्विघ्न रूप से एक और सफल महोत्सव की कामना भी की।इसके उपरांत हुई बैठक में आज ही महोत्सव में इस वर्ष नंदीग्राम रत्न और महायोगीराज सम्मान के चयनित नामों की घोषणा भी कर दी। संपन्न हुई बैठक में महोत्सव को भव्य बनाने के लिए न्यास समेत आयोजन समिति के लोगों ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।भरतकुंड में आयोजित भूमि पूजन में न्यास के उपाध्यक्ष गिरीश पांडेय डिप्पुल, महासचिव सतीश पांडेय और अंजनी पांडेय आदि ने वैदिक मंत्रों के बीच हवन पूजन किया। भूमि पूजन आचार्य राधेश्याम शुक्ल, महंत अरविंद दास ने सम्पन्न कराया। इस दौरान मीडिया प्रभारी राकेश मिश्र, दुरदुरिया पूजन प्रभारी विजय माला, काजल पाठक, साहब दीन गौड़ आदि ने आहुतियां डालीं। इसके उपरांत बैठक की अध्यक्षता करते हुए न्यास के अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडेय ने बताया कि इस पांच दिवसीय भरतकुंड महोत्सव के 16 दिसम्बर उद्घाटन सत्र में 2100 महिलाओं द्वारा धार्मिक दुरदुरिया पूजन को लेकर महिलाओं में विशेष हर्ष है। अब तक प्राप्त सूचनाओं के आधार पर महिलाओं की संख्या नियत 2100 से भी ज्यादा होने की पूरी उम्मीद है। महोत्सव के मीडिया प्रभारी राकेश मिश्र ने बताया कि आज प्रज्ञा मार्केट में संपन्न हुई बैठक में 23 में भरतकुंड महोत्सव में नंदीग्राम रत्न सम्मान कला के क्षेत्र में अवनीश विश्वकर्मा, साहित्य के क्षेत्र में डॉ. सुशील कुमार पांडेय, समाज सेवा में संदीप मित्तल, अनुसंधान के क्षेत्र में डॉ. अनंत नारायण भट्ट, शिक्षा के क्षेत्र में डा प्रकाश चंद्र गिरी, चिकित्सा

के क्षेत्र में प्रो सुनीत कुमार सिंह, सांस्कृतिक के क्षेत्र में दिलीप शुक्ला और नारी सशक्तिकरण में आंचल शर्मा को सम्मानित किया जाएगा। प्रतिवर्ष दिया जाने वाला महायोगी राज सम्मान इस वर्ष ओम प्रकाश अंदानी को दिया जायेगा। महोत्सव में यह सम्मान प्रतिवर्ष निस्वार्थ भाव से समर्पण के लिए दिया जाता है।महोत्सव में प्रतिदिन विश्व कल्याणार्थ विश्व शांति महायज्ञ, भरत चरित्र पर आधारित प्राचीन रामलीला, भरत चरित्र पर व्याख्यान, राष्ट्रीय स्तर का दंगल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विभिन्न परंपरागत नृत्य के साथ विभिन्न प्रतियोगिताएं, रासलीला आदि अन्य कार्यक्रम इस वर्ष के महोत्सव का आकर्षण होंगे। महोत्सव की प्रत्येक शाम का आकर्षण भजन संध्या, लोक संध्या, काव्य संध्या, शास्त्रीय एवं हास्य संध्या समेत विभिन्न कार्यक्रम होंगे। बैठक में अंबरीश चंद्र पांडेय, बृज मोहन तिवारी, एसबी सागर प्रजापति, संजय पांडेय, शत्रुघ्न मोदनवाल सूर्यकांत पांडेय, आदि मौजूद रहे।

जनपद में निःशुल्क खाद्यान्न वितरण कराये जाने के लिए भव्य उत्सव का आयोजन संपन्न : जिला पूर्ति अधिकारी

जौनपुर सू.वि. : जिला पूर्ति अधिकारी संतोष विक्रम साही ने सर्वसाधारण को अवगत कराया है कि 12 दिसम्बर 2021 से जनपद के उचित दर दुकानों पर अनत्योदय एवं पात्र गृहस्थी के लाभार्थियों को खाद्यान्न के साथ–साथ आयोडाइज्ड नमक, दाल/साबुत चना, खाद्य तेल (यथा सरसों तेल/रिफाइंड ऑयल) निःशुल्क वितरण कराये जाने के लिए भव्य उत्सव का आयोजन करते हुए उचित दर दुकानों को फूल, माला व गुब्बारे आदि से सुसज्जित कराते हुए मा0 जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में निःशुल्क वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ कराया गया। प्रत्येक अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी कार्डधारक को नियमानुसार आवंटित खाद्यान्न के साथ–साथ 01 किग्रा0 आयोडाइज्ड नमक, 01 किग्रा0 साबुत चना तथा 01 लीटर रिफाइंड सोयाबीन ऑयल का निःशुल्क वितरण प्रारम्भ कराया गया। जनपद के समस्त 2095 उचित दर दुकानों पर शत–प्रतिशत खाद्यान्न का उठान न हो पाने के कारण आंशिक रूप से खाद्यान्न व अन्य खाद्य सामग्रियों का उठान किया गया है इसलिए इस कार्यक्रम की शुरूआत कराते हुए वितरण प्रारम्भ किया गया है। अग्रेत्तर उचित दर विक्रेताओं द्वारा विपणन गोदामों से सम्पूर्ण खाद्यान्न/खाद्य पदार्थों का उठान करते हुए 20 दिसम्बर 2021 तक समस्त कार्डधारकों का निःशुल्क खाद्यान्न, नमक, खाद्य तेल, साबुत चना का वितरण किया जायेगा। वितरण की अन्तिम तिथि 20 दिसम्बर 2021 होगी, जिस दिन आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न न प्राप्त कर सकने वाले उपभोक्ताओं हेतु मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरिफिकेशन के माध्यम से वितरण सम्पन्न किया जायेगा। इस प्रकार 16 दिसम्बर 2021 को सायं 5:00 बजे तक जनपद के उचित दर विक्रेताओं द्वारा मा0 जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में 85,000 कार्डधारकों के मध्य खाद्यान्न के साथ–साथ आयोडाइज्ड नमक, दाल/साबुत चना, खाद्य तेल (यथा सरसों तेल/रिफाइंड ऑयल) निःशुल्क वितरण किया गया। इस प्रकार अब तक कुल 3,18,714 कार्डधारकों के मध्य खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण कराया जा चुका है। ऐसे कार्डधारक जो पोर्टबिलिटी के माध्यम से अन्य दुकानों से खाद्यान्न प्राप्त किये है वे अपनी मूल दुकान से नमक, खाद्य तेल व चना निःशुल्क प्राप्त कर लें। जनपद के समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि खाद्यान्न गोदामों से शत–प्रतिशत उठान सुनिश्चत करते हुए तत्काल वितरण करना सुनिश्चित करें साथ ही यह भी निर्देशित किया जाता है कि यदि कोई कार्डधारक आपके दुकान से सम्बद्ध हैं तथा उसके द्वारा जनपद के किसी अन्य दुकान से खाद्यान्न प्राप्त किया गया है तथा आप की दुकान पर निःशुल्क नमक, खाद्य तेल व चना लेने हेतु जाता है तो उसे तत्काल उपरोक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध करा दिया जाय। अकारण किसी भी लाभार्थी को परेशान/दौड़ाया न जाय। वितरण 20 दिसम्बर 2021 तक जारी रहेगा।

ट्रैक्टर पलटने से उसी के नीचे दबकर ट्रैक्टर चालक की मौत

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के महरुपुर गांव के पास ट्रैक्टर पलटने से उसी के नीचे दबकर ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के जौनपुर– आजमगढ़ मार्ग स्थित महरुपुर गांव के पास डिवाइडर पर चढ़ते समय ट्रैक्टर पलट जाने से ट्रैक्टर चालक राजेश यादव की उसी में दबकर मौत हो गई। थाना क्षेत्र के कबिरुद्दीनपुर गांव निवासी राजेश यादव पुत्र कामता प्रसाद यादव (34) ट्रैक्टर चलाते है। बुधवार की रात में लगभग साढ़े आठ बजे राजेश ट्रैक्टर लेकर जौनपुर के तरफ से वापस घर लौट रहा था। ट्रैक्टर जैसे ही महरुपुर गांव के पास पहुचा डिवाइडर पर अनियंत्रित होकर पलट गया। चालक राजेश ट्रैक्टर के नीचे दब गया। मौके पर पहुचे ग्राम प्रधान कबिरुद्दीनपुर वीरेंद्र यादव ने अपने निजी वाहन से राजेश को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गया। जहां चिकित्सकों ने देखते ही राजेश को मृत घोषित कर दिया। राजेश की मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। गौराबादशाहपुर थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के तीन बच्चे है। ट्रैक्टर चलाकर अपना जीविकोपार्जन करता था।

स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल बनाए जाने हेतु पीयू परिसर में नवनिर्मित परीक्षा भवन का किया निरीक्षण

जौनपुर सू.वि. : जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा, पुलिस अधीक्षक अजय साहनी के द्वारा स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल बनाए जाने हेतु वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के परिसर में नवनिर्मित परीक्षा भवन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी आवश्यक व्यवस्था देखी और उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम प्रकाश को निर्देश दिया कि स्ट्रांग रूम, पार्टी रवानगी एवं मतगणना स्थल से संबंधित सभी प्रकार की तैयारियां पूर्ण कर ली जाए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र सिंह, क्षेत्राधिकारी जितेंद्र दुबे, अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी राधा कृष्ण सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा अध्यक्ष व कई प्रदेशो के सीएम व डिप्टी सीएम के राम नगरी आने पर सुरक्षा के घेरे में रही अयोध्या

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)पूर्व नियोजित कार्यक्रम के मुताबिक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अगुवाई में बुधवार को 8 प्रदेशों के मुख्यमंत्री व 4 राज्यों के डिप्टी सीएम के सपरिवार राम नगरी अयोध्या दौरे को लेकर एयरपोर्ट से होटल और रामनगरी तक कड़े सुरक्षा इंतजाम रहे।बुधवार सुबह से अयोध्या की सीमा को चारो तरफ से सील कर बाहरी वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया था।वही श्रद्धालुओं के पैदल आवागमन और दर्शन–पूजन में कोई दिक्कत नहीं आने दी गई।इस मौके पर प्रशासन की कोशिश थी कि वीवीआईपी आएं तो भी आम भक्तों को परेशान नहीं किया जाए। प्रशासन ने कभी सख्ती तो कभी ढील देकर अयोध्यावासियों को राहत पहुंचाई। बाजार, दुकान से लेकर घाट तक गुलजार रहे।रामनगरी अयोध्या से करीब 8 किमी दूर हाईवे एयरपोर्ट के पास स्थित एक होटल से मुख्यमंत्रियों का काफिला रवाना हुआ, तब करीब 12:30 बजे मुख्य मार्ग को पूरी तरह से बंद कर दिया गया था। चप्पे–चप्पे पर सुरक्षाबलों की तैनाती की गई थी, मुख्य कार्यक्रम स्थल सरयू घाट, हनुमानगढ़ी पर मेहमानों के दर्शन पूजन के दौरान अन्य श्रद्धालुओं का प्रवेश प्रतिबंधित था। सभी मेहमानों के विश्राम व भोजन की व्यवस्था हाईवे स्थित पंचशील होटल में की गई थी। होटल व आसपास क्षेत्र को छावनी में बदल दिया गया था। यहां कदम कदम पर अर्धसैनिक बल, पीएसी व सिविल पुलिस के जवान तैनात रहे। खुफिया एजेंसियां भी तैनात रहीं। सभी मेहमान करीब 12:15 बजे होटल से निकले व बाईपास होते हुए सीधे सरयू तट पहुंचे। काफिला दीनदयाल तिराहे से होकर हनुमानगढ़ी गया, यहां से पीछे के रास्ते से होकर पुराने बस स्टेशन से निकलकर मुख्य मार्ग पहुंचा और श्रीरेश्वरनाथ मंदिर के सामने से श्रीरामजन्मभूमि परिसर में प्रवेश किया। नयाघाट से हनुमानगढ़ी व मुख्यमार्ग पर टेढ़ीबाजार तक सुरक्षा का कड़ा पहरा रहा। सौ–सौ मीटर की दूरी पर बैरिकेडिंग कर लोगों को आने जाने से रोका गया। अयोध्या के सभी मार्गों पर अतिरिक्त सुरक्षाबल तैनात रहा।मेहमानों का काफिला करीब 12:50 बजे हनुमानगढ़ी पहुंचा, इस दौरान करीब आधे घंटे तक बाहरी श्रद्धालुओं का प्रवेश वर्जित रहा। सुरक्षा व्यवस्था में कोई बाधा न आए इसको देखते हुए हनुमानगढ़ी के मुख्यद्वार पर खड़े श्रद्धालुओं को बैरिकेडिंग से दूर रोक दिया गया था। सरयू घाट पर करीब आधे घंटे तक श्रद्धालुओं का प्रवेश वर्जित रहा।सभी मेहमान करीब 12:25 बजे अयोध्या सरयू तट पहुंचे, करीब 2:40 बजे काफिला वापस पंचशील होटल के लिए रवाना हुआ। करीब 2:05 घंटे रामनगरी प्रवास के दौरान दर्शन स्थल व मार्ग सील रहे। इससे पूर्व सुबह आठ बजे से अयोध्या में भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहा। अयोध्यावासियों के दो पहिया वाहन व सील रहे को पैदल घूमने की छूट दी गई थी। मुख्य मार्ग पर चप्पे–चप्पे पर सुरक्षाबल तैनात रहे। गली–कूंचों से मुख्यमार्ग आने वाल मार्ग समेत मुख्य मार्ग पर जगह–जगह बैरिकेडिंग की गई थी। इस दौरान किसी को भी गलियों से निकलकर मुख्यमार्ग पर आने की इजाजत नहीं रही। हनुमानगढ़ी चौराहे से टेढ़ी बाजार तक करीब दो दर्जन स्थानों पर बैरिकेंडिंग लगाकर सुरक्षा बल तैनात किए गए थे।वरिष्ठ अधिकारियों ने की काफिले की अगुवाई मेहमानों के काफिले में करीब 50 वाहन रहे।इनकी अगुवाई एडीजी जोन एसएन साबत, कमिश्नर एमपी अग्रवाल, आईजी कविंद्र प्रताप सिंह, डीएम नितिश कुमार, एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय कर रहे थे। प्रत्येक मुख्यमंत्री के साथ प्रोटोकाल के तहत एडीएम व एएसपी रैंक के अधिकारी तैनात किए थे।सभी मुख्यमंत्री के वाहन में एक–एक निरीक्षक भी सुरक्षा की दृष्टि से मौजूद रहे।इस मौके पर एसपी सिटी विजयपाल सिंह, एएसपी पलाश बंसल, सीओ ट्रैफिक राजेश तिवारी, सीओ अयोध्या रामकृष्ण चतुर्वेदी लगातार गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे।

भाजपा जन विश्वास यात्रा को दिनेश तिवारी के सौजन्य में बैठक

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : भारतीय जनता पार्टी हरदोई के जिला कार्यालय पर जन विश्वास यात्रा के आगमन को लेकर हुई बैठक। बैठक में मुख्य अतिथि एव अवध क्षेत्र यात्रा के संयोजक दिनेश तिवारी सम्मिलित हुए। बैठक में जिला उपाध्यक्ष एवं जन विश्वास यात्रा के जिला संयोजक कर्मवीर सिंह ने बताया कि जनविश्वास यात्रा का आगमन २८ दिसंबर को कोथावा पहुंचेगी। कोथावा से संडीला बाजार, बघौली चौराहा और अंत में लखनऊ चुंगी पहुंचेगी। २६ दिसंबर को यात्रा प्रातःकाल पिहानी तिराहा से शुरू होकर शाहाबाद से सवायजपुर होते हुए मल्लावा पहुंचेगी। २८ दिसंबर को जनविश्वास यात्रा की विशाल जन विश्वास रैली आयोजित होगी जिसमें प्रदेश से लेकर जिले के पदाधिकारीगण मौजूद रहेंगे।बैठक में मुख्य अतिथि दिनेश तिवारी ने कहा कि पार्टी का काम एक एक बूथ कार्यकर्ताओ के कंधो पर टिका है। विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सभी विधानसभाओं में जन विश्वास यात्रा का कार्यक्रम होगा, जिसमे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लेकर जनता से जुड़े हितकारी फैसलों के बारे में चर्चा होगी। इस यात्रा का नाम जन विश्वास यात्रा इसलिए रखी गई क्योंकि भाजपा सरकार प्रदेश की जनता के विश्वास पर खरी उतरी। लव जेहाद को खत्म करना रहा हो, या माफिया राज को जड़ से उखाड़ना, पेयजल योजना को गांव गांव तक पहुंचाना रहा हो या स्वच्छता को लेकर हर व्यक्ति में जागरूकता लाना, कोरोना काल में जरूरतमंद और गरीब लोगो की स्वास्थ्य से लेकर राशन तक की व्यवस्था का ध्यान कार्यकर्ताओ ने रखा। मुख्य अतिथि दिनेश तिवारी ने बताया कि यात्रा को सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों से लेकर मंडल और बूथ कार्यकर्ताओ को अपने अपने दायित्वों को बखूबी निभाना है। यात्रा में जनभागीदारी से सभी लोग पार्टी और सरकार की उपलब्धियों और पूर्व में रही सरकारों के कारनामों का बखान किया जायेगा। जिससे कि जनता समझ सके कि कौन सी सरकार जन अपेक्षाओं पर खरी उतरी। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनविश्वास यात्रा का मकसद प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जनता के बीच प्रसारित करना। प्रदेश सरकार ने जन जन की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की। महिलाओं और कन्याओं को लेकर प्रदेश में कानून का राज कायम किया ताकि बहन बेटियां बिना किसी डर के आजादी से चल सके। जनता को यह बात याद दिलाना है कि यही सरकार है जिसने राम मंदिर का संकल्प लिया और आज उसे पूरा करके दिखाया। आज उन लोगो का मुंह बंद हो गया है जो भाजपा के लिए कहते थे कि मंदिर वही बनाएंगे पर तारीख नही बताएंगे। सरकार की बिजली से लेकर गैस, मुफ्त राशन वितरण, कोरोना वैक्सीन, शौचालय, प्रधानमंत्री आवास, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर निर्माण, धारा ३७० हो, सड़को का जाल बिछाने का काम किया हो, इतना कार्य पिछली १० सालों की सरकार में नही हुआ जितना पिछले साढ़े चार सालों में हो गया। जनता सब जानती है कि कौन सी सरकार उनकी अपेक्षाओं पर उतरी है। बच्चा बच्चा आज भाजपा सरकार की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं से खुश है। बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्र विद्याराम वर्मा विधानसभा प्रभारी गण जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री एसपी मौर्य संदीप सिंह संजय सिंह जिला महामंत्री अजीत सिंह बब्बन अनुराग मिश्र इंजीनियर ओम वर्मा सत्येंद्र राजपूत जिला मंत्री अविनाश पांडे अजय शुक्ला संदीप अवस्थी जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक सह जिला मीडिया प्रभारी परेश गुप्ता विशुन दयाल शुक्ला उमेश अग्रवाल अखिलेश पाठक सुशील गुप्ता प्रदीप जायसवाल पारुल दीक्षित सोशल मीडिया प्रमुख प्रद्युम्न मिश्रा सभी मोर्चा के जिला अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष गण मौजूद रहे।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।